डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र
सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 21 | अंक : 15 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 11 मई से 17 मई 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

एसआई भर्ती रद्द होना युवाओं के संघर्ष की जीत - बेनीवाल

-कहा अब आरपीएससी के पुनर्गठन की बारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नागौर सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने एसआई (सब-इंस्पेक्टर) भर्ती रद्द होने को राजस्थान के बेरोजगार युवाओं के संघर्ष की ऐतिहासिक जीत करार दिया है। शनिवार को जालूपुरा स्थित अपने आवास पर आयोजित 'धन्यवाद समारोह' और प्रेस वार्ता के दौरान बेनीवाल ने सरकार और आरपीएससी पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल एक भर्ती की नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के खिलाफ राजस्थान के स्वाभिमान की थी।

'859 में से 600 फर्जी थे थानेदार'

बेनीवाल ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि 859 सब-इंस्पेक्टरों में से 600 से ज्यादा अभ्यर्थी फर्जी थे। उन्होंने दावा किया कि इसमें आरपीएससी सदस्यों से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री के पीएसओ के बच्चों, नेताओं और बड़े अधिकारियों के रिश्तेदारों ने पेपर लीक के जरिए सेंधमारी की थी। उन्होंने कहा कि जब राज्य सरकार अपने वादे से मुकर गई, तब आरएलपी ने 'जेल भरो आंदोलन' और 'दिल्ली कूच' जैसी चेतावनियां देकर सरकार को झुकने पर मजबूर किया।

सरकार से प्रमुख मांगें:

हनुमान बेनीवाल ने प्रेस वार्ता के माध्यम से सरकार के सामने दो मुख्य मांगें रखीं:

सभी 8 लाख अभ्यर्थियों को मौका मिले: सरकार ने कल जारी अधिसूचना में केवल परीक्षा देने वाले 3.83 लाख छात्रों को ही नई भर्ती में बैठने की अनुमति दी है। बेनीवाल की मांग है कि फॉर्म भरने वाले सभी 8 लाख बच्चों को मौका दिया जाए और जिनकी आयु सीमा निकल गई है, उन्हें विशेष छूट मिले,

सीबीआई जांच की मांग: उन्होंने कहा कि रीट परीक्षा और ओएमआर घोटाले जैसे प्रकरणों को अब तक सीबीआई को क्यों नहीं सौंपा गया? बेनीवाल ने सवाल उठाया कि क्या बीजेपी और कांग्रेस के बीच कोई 'मिलाजुली का खेल' चल रहा है।

शेष पृष्ठ 2 पर....

धर्म-निरपेक्ष पार्टियां बीजेपी को रोक नहीं पाएंगी - ओवैसी

हैदराबाद । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है और हर किसी को उसका सम्मान करना चाहिए। ओवैसी ने भारतीय जनता पार्टी की जीत को लेकर कहा कि मतदाताओं ने जो जनादेश दिया है, उसे स्वीकार करना जरूरी है।

ओवैसी ने क्षेत्रीय दलों की रणनीति पर भी सवाल उठाए

हैदराबाद में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने यह भी दावा किया कि खुद को "धर्म-निरपेक्ष" बताने वाली पार्टियां बीजेपी के विस्तार को रोकने में सफल नहीं हो पा रही हैं। इस दौरान ओवैसी ने क्षेत्रीय दलों की रणनीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कई दलों ने अतीत में "नरम हिंदुत्व" की राजनीति अपनाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें इसका कोई खास राजनीतिक फायदा नहीं मिला।

मुस्लिम स्वतंत्र राजनीतिक नेतृत्व को विकसित करें

ओवैसी ने आगे कहा कि देश में राजनीतिक विकल्पों को मज़बूत करने के लिए नए दृष्टिकोण की जरूरत है। उन्होंने खासतौर पर मुस्लिम समुदाय से अपील की कि वे अपने स्वतंत्र राजनीतिक नेतृत्व को विकसित करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं। ओवैसी का यह बयान चुनावी नतीजों के बाद विपक्ष की रणनीति पर एक अहम टिप्पणी के रूप में देखा जा रहा है। बंगाल चुनाव के बाद जारी बयानबाज़ी के बीच यह टिप्पणी देश की राजनीति में नए विमर्श को जन्म दे सकती है।

प्रत्येक ज़िले में महात्मा ज्योतिबा फुले मॉडल स्कूल खोले जाएंगे- भजन लाल शर्मा

-महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के उपलक्ष में सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महान समाज सुधारक, शिक्षाविद् एवं सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के उपलक्ष में जयपुर में भव्य समारोह एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। सैनी समाज की ओर से समारोह में भाजपा महामंत्री भूपेंद्र सैनी को राष्ट्रीय आयोजन समिति में सदस्य बनाए जाने पर समाज की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले के राष्ट्र एवं समाज निर्माण में योगदान को याद करते हुए कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा के माध्यम से समाज को जागरूक और सशक्त बनाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि उनका मानना था कि हर समस्या का समाधान शिक्षा है। राज्य सरकार भी लगातार इसी सोच को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार की ओर से प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में सावित्रीबाई फुले पुस्तकालय तथा प्रत्येक जिले में महात्मा ज्योतिबा फुले मॉडल स्कूल खोले जाएंगे। इसके साथ ही सरकार ने छात्रवृत्ति राशि बढ़ाकर 75 हजार रुपए कर दी गई है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को बेहतर अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने सहकारिता समितियों में सदस्यता रोक दी थी, जबकि वर्तमान सरकार ने 10 लाख से अधिक लोगों को सहकारिता से जोड़ने का कार्य किया है। राज्य सरकार डेयरी क्षेत्र में उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने पर कार्य कर रही है, जिससे किसानों एवं पशुपालकों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि फसल बीमा योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है तथा वर्ष 2027 तक सभी किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। गोपालक कार्ड और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं से किसानों और पशुपालकों को राहत दी जा रही है। साथ ही "खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में" रोकने की दिशा में भी सरकार कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज के सभी वर्गों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

शेष पृष्ठ 2 पर....

हज यात्रा किराये में बढ़ोतरी और व्यवस्थाओं पर सरकार का दोष नहीं - किरेन रिजिजू

नई दिल्ली । केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को हज यात्रा को लेकर हवाई किराए में बढ़ोतरी पर सरकार का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के बाद एयरलाइंस द्वारा प्रस्तावित मूल बढ़ोतरी को काफी हद तक कम करने के लिए केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप किया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि ईरान, अमेरिका और इजराईल के बीच चल रहे तनाव के कारण विमानन कंपनियों की परिचालन लागत में भारी वृद्धि हुई थी। इसी वजह से एयरलाइंस ने शुरू में किराए में काफी अधिक बढ़ोतरी की मांग की थी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'कुछ लोगों ने इस मुद्दे पर पत्र लिखकर पूछा था कि हज का किराया 100 डॉलर क्यों बढ़ाया गया है? हर कोई जानता है कि ईरान और अमेरिका-इजराईल के बीच तनाव के बाद एयरलाइंस ने 400 डॉलर की बढ़ोतरी का अनुरोध किया था। उन्होंने हज यात्रियों के हवाई किराए में 400 डॉलर की बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा था। हम नहीं चाहते कि गरीब यात्री आर्थिक तंगी के कारण हज पर न जा पाएं। इसलिए मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने एयरलाइन कंपनियों के साथ बातचीत कर शुल्क को 400 डॉलर से घटाकर 100 डॉलर कर दिया। इस प्रकार भारतीय हज समिति के माध्यम से जाने वाले यात्रियों के किराए में केवल 100 डॉलर की बढ़ोतरी हुई है, जबकि निजी ऑपरेटरों के लिए यह बढ़ोतरी 150 डॉलर है।'

सऊदी अरब की व्यवस्था हमारी जैसी नहीं

इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर हो रही आलोचनाओं पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'किसी ने सऊदी अरब से एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें प्लंबिंग की समस्या दिखाई गई थी और बाथरूम का टॉयलेट ओवरफ्लो हो रहा था। इसे सोशल मीडिया पर डालकर सरकार को दोष दिया गया, जो सही नहीं है।

शेष पृष्ठ 2 पर....

मुस्लिम लीग का बढ़ता जनाधार

-केरल में जीते 22 विधायक

तिरुवनंतपुरम । देश की राजनीति में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (IUML) लगातार मजबूती के साथ उभरती हुई दिखाई दे रही है। केरल विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए IUML ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर UDF के बैनर तले चुनाव लड़ा। इस गठबंधन में मुस्लिम लीग को 27 सीटें मिलीं, जिनमें से 22 सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर पार्टी ने अपनी ताकत का एहसास पूरे देश को कराया। राजनीतिक गलियारों में अब यह चर्चा तेज हो गई है कि IUML उपमुख्यमंत्री पद तक पहुंच सकती है। पार्टी का बढ़ता जनाधार और लगातार मजबूत होता संगठन अब उसे दक्षिण भारत की राजनीति में निर्णायक भूमिका तक ले जा रहा है। केरल के साथ-साथ तमिलनाडु में भी IUML ने शानदार प्रदर्शन किया। DMK-कांग्रेस गठबंधन के साथ 2 सीटों पर चुनाव लड़कर दोनों सीटों पर जीत हासिल की।

पार्टी की वर्तमान ताकत:

केरल में विधायक : 22, तमिलनाडु में विधायक : 2, लोकसभा सांसद : 5, राज्यसभा सांसद : 2 सैकड़ों लोकल बॉडी सदस्य

केरल से 4 और तमिलनाडु से 1 लोकसभा सांसद के साथ पार्टी ने अपनी राष्ट्रीय मौजूदगी को और मजबूत किया है।

तमिलनाडु की राजनीति में तेजी से बढ़ रही TVK को कांग्रेस द्वारा समर्थन पत्र दिए जाने के बाद अब सबकी निगाहें IUML के समर्थन पर टिकी हुई हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर IUML TVK को समर्थन देती है, तो पार्टी को मंत्री पद मिलने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

अगर ऐसा होता है तो IUML दो राज्यों में सरकार का हिस्सा बन सकती है, जो पार्टी के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जाएगी।

IUML लगातार सोशल इंजीनियरिंग और संगठन विस्तार पर काम कर रही है। पार्टी धीरे-धीरे अपने जनाधार को मजबूत करते हुए देश के अन्य राज्यों में भी अपनी पहचान बना रही है। यही वजह है कि अब मुस्लिम समाज के साथ-साथ दूसरे वर्गों का ध्यान भी पार्टी की ओर आकर्षित हो रहा है।

शेष पृष्ठ 2 पर....

हज का बढ़ा किराया तेलंगाना सरकार देगी!

-तेलंगाना से 6650 आज़मीन गए हैं हज यात्रा पर

हैदराबाद । इस्लाम के पांच अरकानों में एक हज भी शामिल है। हज का सफर इस्लाम में सबसे पाक और मुकद्दस माना जाता है। हर मुसलमान की ख्वाहिश होती है कि वह अपनी जिंदगी में एक बार इस इबादत को अदा करे, लेकिन जब इसी पाक सफर पर अचानक खर्च का बोझ बढ़ जाए, तो यह खुशी चिंता में बदल जाती है। ऐसे ही हालात के बीच तेलंगाना सरकार ने आजमीन को राहत देने की कोशिश करते हुए एक अहम फैसला लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, तेलंगाना मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आजमीन के बढ़े हुए हवाई किराए पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में फैसला लिया गया कि तेलंगाना से हज पर जाने वाले आजमीन पर बढ़े हुए खर्च का बोझ सरकार खुद उठाएगी। दरअसल, सेंट्रल हज कमेटी की ओर से हाल ही में एक नोटिफिकेशन जारी कर बताया गया था कि मिडिल ईस्ट में जारी जंग की वजह से विमान ईंधन की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हो गई है। इसी वजह से हर आजमीन पर अतिरिक्त दस हजार रुपये का बोझ डालने का फैसला किया गया और यह राशि जमा करने के लिए 15 मई तक की समय सीमा तय की गई थी। अचानक बढ़ोतरी से हज पर जाने वाले कई लोग परेशान हो गए थे। खासकर उन परिवारों के लिए यह स्थिति और मुश्किल थी, जिनके घर से एक से ज्यादा लोग हज के लिए जा रहे हैं। ऐसे परिवारों को एक साथ बड़ी रकम का इंतजाम करना पड़ रहा था। उनमें से कई परिवार ऐसे हैं, जो कई सालों तक हज की अदायगी के लिए पैसे इकट्ठे करते हैं। हालांकि कांग्रेस पार्टी और अन्य दलों ने इस बढ़ोतरी का विरोध करते हुए इसे वापस लेने की मांग की थी, लेकिन अब तक केंद्र सरकार की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। ऐसे में तेलंगाना सरकार ने पहल करते हुए यह तय किया कि राज्य के हज यात्रियों पर यह अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा।

तेलंगाना सरकार 6.65 करोड़ सेंट्रल हज कमेटी को देगी-

सरकार के इस फैसले के तहत तेलंगाना के करीब 6,650 आजमीन के लिए प्रति व्यक्ति दस हजार रुपये सरकार खुद अदा करेगी। इस तरह कुल मिलाकर सरकार करीब 6.65 करोड़ रुपये सेंट्रल हज कमेटी को देगी । बताया जा रहा है कि इस साल तेलंगाना के आजमीन पर पहले से ही करीब 3.60 लाख रुपये का खर्च आ रहा था। अब इस अतिरिक्त दस हजार रुपये के जुड़ने से कुल खर्च बढ़कर 3.70 लाख रुपये प्रति व्यक्ति तक पहुंच रहा था। सरकार के इस कदम से आजमीन और उनके परिजनों को बड़ी राहत मिलेगी और वे बिना अतिरिक्त आर्थिक बोझ के अपने इस मुकद्दस सफर को पूरा कर सकेंगे. सरकार के इस फैसले को हज यात्रियों के लिए बड़ी सहूलियत के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि अचानक बढ़े खर्च ने उनकी तैयारियों पर असर डाल दिया था।

डोटासरा ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

-कहा शिक्षा विभाग की गडबड़ियों को विधान सभा में खोला जाएगा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान कॉ-ऑपरेटिव सोसायटी एक्ट के तहत् दिनांक 21/12/2017 को हिन्दुस्तान स्काउट एण्ड गाईड जिला उदयपुर का पंजीकरण किया गया, तत्पश्चात् 19/02/2018 को इस संस्था के क्षेत्राधिकारों में संशोधन करते हुये राजस्थान राज्य संस्था सहकारिता विभाग में पंजीकृत हुई और 22/11/2024 को सहकारिता विभाग ने संस्था की कार्यकारिणी की सूची प्रस्तुत की । जिसके अनुसार मदन दिलावर संस्था के अध्यक्ष बने और अन्य पदाधिकारियों के साथ नरेन्द्र औदिच्य सचिव पद पर आसीन हुये। यह संस्था भारत स्काउट एण्ड गाईड की तर्ज पर पंजीकृत हुई। राजस्थान सरकार एवं शिक्षा विभाग की नीति के अनुसार जिले के सभी विद्यालयों में स्काउट/गाईड गतिविधियों को संचालन किया जाना आवश्यक है और संस्थान द्वारा स्काउट गाईड के शिविर आयोजित किये जाते हैं। इस संस्था के अध्यक्ष मदन दिलावर जो वर्तमान में राजस्थान सरकार में मंत्री हैं, के संरक्षण में संस्था चल रही है तथा संस्था के सचिव पर बेहद गम्भीर आरोप हैं। संस्था में कोई परिवार का सदस्य नहीं होना चाहिये, किन्तु सचिव नरेन्द्र औदित्य ने अपनी पुत्रवधु रंजना औदिच्य को जिला ऑर्गेनाईजर बनाया है। हिन्दुस्तान स्काउट एण्ड गाईड संस्था ने जिलों में शिविर लगाये। शिविरों में 10/01/2024 से 14/01/2024 पाँच दिवसीय शिविर जयपुर में जिसका पंजीकरण शुल्क 1250 रूपये था, तीन दिवसीय शिविर जयपुर में 20/07/2024 से जिसका पंजीकरण शुल्क 200 रूपये और शिविर शुल्क 600 रूपये पाँच दिन का, 23/11/2024 से 27/11/2024 तक जयपुर में शिविर लगाया गया जिसका शुल्क 2200 रूपये प्रति व्यक्ति था, पाँच दिन का शिविर दिनांक 15/03/2025 से लगाया, जिसमें शुल्क प्रति व्यक्ति 1750 रूपये था। जयपुर में चाकसू के रा. बा. उ. मा. वि. में 08/03/2025 से पाँच दिवसीय शिविर लगाया, किन्तु यह शिविर पाँच दिन की बजाए मात्र एक दिन का लगा और पाँच दिन के हिसाब से जितने पैसे इकट्ठे किये गये थे उसका बिल बाउचर लगाया गया और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी के हस्ताक्षर कर बिल उदयपुर भेजा गया । जहां से भुगतान प्राप्त होता है। पहला आरोप है कि चाकसू में शिविर मात्र एक दिन का लगा, वह भी आवासीय नहीं लगा, क्योंकि उस वक्त 10वीं की बोर्ड परीक्षा चल रही थी, इस परीक्षा के दौरान कोई शिविर नहीं लग सकता। शिविर हेतु संस्था के खाते में 300 रूपये जमा होना अनिवार्य है, पैसे ज्यादा लिये वह अलग आरोप है, किन्तु 300 रूपये तो न्यूनतम संस्था के खाते में जमा होना आवश्यक है, शेष पृष्ठ 2 पर....

मयूर यूनिकोटर्स में श्रमिकों का फूटा आक्रोश, वेतन वृद्धि और सुविधाओं की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन

-सैकड़ों मजदूरों ने काम बंद कर जताया विरोध, प्रबंधन पर अनदेखी और संवादहीनता के आरोप
-वार्ता नहीं हुई तो आंदोलन तेज करने की चेतावनी, पुलिस और प्रशासन ने संभाला मोर्चा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम ढोढसर स्थित मयूर यूनिकोटर्स लिमिटेड में श्रमिकों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। वेतन वृद्धि, बेहतर कार्य सुविधाओं और श्रमिक हितों से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर सैकड़ों मजदूरों ने फैक्ट्री परिसर में काम बंद कर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। मजदूरों के विरोध प्रदर्शन से फैक्ट्री परिसर देर तक नारों से गूंजता रहा और माहौल तनावपूर्ण बना रहा। प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों का आरोप है कि लगातार बढ़ती महंगाई के बावजूद कंपनी प्रबंधन द्वारा वेतन में संतोषजनक बढ़ोतरी नहीं की जा रही है। श्रमिक नेताओं सुनील कुमावत और कैलाश बाजिया ने कहा कि मौजूदा वेतन में परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है, लेकिन प्रबंधन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा। उन्होंने बताया कि कई बार मांगों से अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकला, जिसके बाद मजदूरों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। धरने में शामिल श्रमिकों और ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वेतन और सुविधाओं में सुधार नहीं होने से कर्मचारियों में असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। हड़ताल का असर अब फैक्ट्री के उत्पादन पर भी दिखाई देने लगा है। श्रमिकों के काम बंद करने से उत्पादन प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, प्रदर्शन के दौरान कंपनी प्रबंधन का कोई वरिष्ठ अधिकारी वार्ता के लिए मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी और बढ़ गई। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि यदि जल्द

बातचीत शुरू नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। स्थिति को देखते हुए गोविंदगढ़ थाना पुलिस प्रभारी विनोद सांखला पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए। स्थानीय प्रशासन भी पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। सूत्रों के अनुसार श्रमिकों और प्रबंधन के बीच जल्द वार्ता कराने की कोशिश की जा रही है। धरना-प्रदर्शन के दौरान पंचायत समिति सदस्य संपत चौधरी भी मौके पर पहुंचे और श्रमिकों के आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि मजदूर अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और उनकी समस्याओं का समाधान बातचीत के जरिए निकाला जाना चाहिए। उन्होंने प्रबंधन से श्रमिक हितों को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। मुख्य मांगों में वेतन वृद्धि लागू करना, कर्मचारियों को बेहतर कार्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, श्रमिक हितों से जुड़े लंबित मामलों का समाधान और प्रबंधन के साथ नियमित संवाद व्यवस्था स्थापित करना शामिल है। फिलहाल फैक्ट्री परिसर में माहौल तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताया जा रहा है। पुलिस और प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। धरना प्रदर्शन के दौरान कंपनी के एचआर हेड समुंदर सिंह कंपनी प्रोडक्शन जिम पंकज कुमार पांडे कंपनी के प्रोडक्शन जिम सीके थरड के साथ श्रमिकों की मीटिंग हुई वार्ता हुई वार्ता में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के महाशय प्रदेश महासचिव छुट्टन यादव एवं पुलिस थाना प्रभारी गोविंदगढ़ विनोद सांखला एवं पंचायत समिति सदस्य संपत चौधरी शामिल हुए।

ग्राहकों की परेशानी का सबब बनी एसबीआई बैंक की सुस्त कार्य प्रणाली

-15 दिन में 4 बार फार्म भरवाने के बावजूद नहीं हुआ मोबाइल नंबर वेरिफिकेशन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित पुराने शहर में एसबीआई बैंक शहर की शाखा इन दिनों अपनी लापरवाह और सुस्त कार्यप्रणाली के चलते ग्राहकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। बैंक का ग्राहक अपना एटीएम कार्ड चालू करवाने के लिए करीब 15 दिनों से बैंक के चक्कर लगा रहा है, परन्तु समाधान अभी तक नहीं हुआ। दरअसल ग्राम बैंक की आनलाइन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए एटीएम चालू करवाने के बाद अपने मोबाइल में योनो एसबीआई एप डाउनलोड कर चालू करवाना चाहता है। लेकिन यह कार्य करवाने में उसे 15 दिनों लगातार बैंक के चक्कर लगाने पर रहे है। बैंक द्वारा जैसे तैसे ग्राहक का एटीएम कार्ड बना दिया गया उसके लेकिन खाते में मोबाइल नंबर वेरिफाई नहीं होने के कारण वह एटीएम का उपयोग नहीं कर पा रहा है। हैरानी की बात

यह है कि बैंक कर्मचारियों द्वारा मोबाइल नंबर अपडेट कराने के नाम पर ग्राहक से अब तक 4 बार फॉर्म भरवाया जा चुका है, इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्राहक कहना है कि बार-बार प्रयासों के बाद भी बैंक की ओर से अब यह जवाब दिया गया है कि उसके खाते में मोबाइल नंबर जोड़ने की प्रक्रिया 3 माह बाद पूरी होगी। यह स्थिति बैंक की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है कि बिना मोबाइल नंबर वेरिफिकेशन के एटीएम कार्ड कैसे जारी कर दिया गया। आष्चर्य की बात तो यह है जब बैंक कर्मी ने ग्राहक को फटकार लगाते हुए उससे कहा आप बार-बार नंबर अपडेट कराने क्यों आ रहे है, जबकि हकीकत यह है कि स्वयं बैंक स्टाफ ने ही ग्राहक से कई बार फॉर्म भरवाए हैं। अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय बैंक कर्मियों ने उल्टा ग्राहक को ही डाटा। इस तरह की लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये से न केवल ग्राहकों का समय बर्बाद हो रहा है, बल्कि बैंक की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहा है।

नूरन मिर्जा ने माउंट आबू में इंटरनेशनल कॉर्स ऑफ़ सेकेंडरी बोर्ड में 96.50% अंक प्राप्त किए

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । जफर अहमद अमीन की पोती नूरन मिर्ज़ा s/o हाशिम बैग मिर्जा ने इंटरनेशनल कॉर्स ऑफ़ सेकेंड्री एजुकेशन बोर्ड एक्जाम में 96.50 % अंक प्राप्त कर खानदान व समाज का नाम रोशन किया हैं। वही दूसरी ओर जफर अमीन के पौते नुबैद बैग मिर्जा s/o मसरूर बैग मिर्जा जो कि 3 वर्ष पहले जूनियर टीम में सलेक्ट होकर चीन खेलने के लिए गया था व ब्राजील की टीम से मुकाबला किया एवं दो गोल करने में कामयाब रहा अब वर्ष 2026 में बेस्ट प्लेयर ऑफ ईयर का मैडल प्राप्त किया है । जून माह 2026 में इंटरनेशनल स्कूल टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए सलेक्शन हुआ है। यह टूर्नामेंट इंग्लैंड में होंगे।

तुम्हारे रहेंगे

मोहब्बत का पैग़ाम सब को बता दो
ये दिल ही नहीं जिगर भी जला दो
जमाने को खुलकर तुम ही जता दो
गले से लगा कर ज़रा मुस्कुरा दो
जो दिल मान जाए तो क्या कहना
ना माने ये दिल तो दिल को सज़ा दो
अकेले रहोगे तो रुठेगी दुनिया
उमर है जवां हंगामा मचा दो
सज़ा दो जज़ा दो मगर कुछ तो दे दो
न कुछ दे सको तो चलो बद्दुआ दो
तुम्हारे हैं तय है तुम्हारे रहेंगे
रक़ीबों को अपनी ज़ुबानी बता दो

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

बलाई विकास समिति की बैठक संपन्न

-एक जुलाई को डॉक्टरों का सम्मान समारोह करने का लिया प्रस्ताव

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के मोरीजा रोड, बी-2, गुलाब विहार कॉलोनी में स्थित बलाई समाज सभा-भवन में रविवार को बलाई विकास समिति, जयपुर मुख्यालय-चौमूं के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि उपस्थित कौरम में 1 जुलाई 2026 को डॉक्टर्स-डे पर समाज सभी सरकारी व निजी डॉक्टरों का सम्मान समारोह करने का प्रस्ताव लिया गया। साथ ही 6 सितम्बर 2026 को विशाल प्रतिभा सम्मान समारोह करने का भी प्रस्ताव लिया

गया। इस अवसर पर समिति कोषाध्यक्ष नानगराम लूणीवाल, सचिव राजेन्द्र प्रसाद काला, सदस्य गुलाब नाथ बुड़गाया आदि उपस्थित रहे।

अखबार बांटने के लिए हॉकर्स की आवश्यकता है

जयपुर से प्रकाशित होने वाले लोकप्रिय अखबार "रॉयल पत्रिका" को जयपुर में अख़बार बांटने के लिये पढ़े-लिखे युवकों की आवश्यकता है । वेतन रु. 10,000+पेट्रोल+इन्सेंटिव ।

तुरन्त संपर्क करें – मोबाइल: 97995 59096

पृष्ठ एक का शेष....

हज यात्रा किराये में बढ़ोतरी और व्यवस्थाओं पर.....

ऐसी समस्याओं का तुरंत समाधान कर दिया जाता है। यह भी समझना चाहिए कि सऊदी अरब की व्यवस्था भारत से अलग है। यहां आप सरकार की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन वहां एक तय प्रणाली है।'

सऊदी अधिकारी नाराज हो सकते हैं

उन्होंने आगे कहा, 'हमारे अधिकारी और सऊदी अरब में स्थित भारतीय मिशन, जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के माध्यम से स्थानीय अधिकारियों से समन्वय कर हर समस्या का समाधान करते हैं। यदि शिकायतें सीधे सोशल मीडिया पर डाली जाएंगी, तो इससे सऊदी अधिकारी नाराज हो सकते हैं। वहां शिकायतों के लिए एक निर्धारित व्यवस्था है, उसी के तहत समस्याएं रखनी चाहिए। यह मुद्दा राजनीति से जुड़ा नहीं है।'

छह मौतों पर भी दी सफाई

उन्होंने कहा, 'हज एक पवित्र तीर्थयात्रा है। हर गरीब मुसलमान अपने जीवन में कम से कम एक बार हज पर जाना चाहता है। हम इस सपने को पूरा करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। जहां तक छह मौतों का सवाल है, उनमें से तीन इमिग्रेशन तक पहुंचने से पहले ही कार्डियक अरेस्ट के कारण हुईं। इसमें हमारी कोई गलती या लापरवाही नहीं है।"

पृष्ठ एक का शेष....

मुस्लिम लीग का बढ़ता.....

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले समय में IUML देश की राजनीति में और बड़ी ताकत बनकर उभर सकती है।

मिली पहली महिला विधायक-

पार्टी को अपने 78 साल के इतिहास में पहली महिला विधायक मिल गई है। केरल की राजनीति में फातिमा तहिलिया ने इतिहास रचते हुए पार्टी की पहली महिला विधायक बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने कोझिकोड की पेराम्ब्रा सीट पर लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (LDF) के दिग्गज नेता को हराकर यह ऐतिहासिक जीत दर्ज की। फातिमा पेशे से वकील हैं और कोझिकोड नगर निगम की पार्षद भी रह चुकी हैं। उनकी जीत को IUML में महिला नेतृत्व के नए दौर की शुरुआत माना जा रहा है।

पृष्ठ एक का शेष....

प्रत्येक ज़िले में महात्मा ज्योतिबा फुले......

उन्होंने भूपेंद्र सैनी को राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है। राठौड़ ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने 200 वर्ष पूर्व शिक्षा और सामाजिक जागरूकता की जो अलख जगाई थी, वह आज भी समाज को नई दिशा दे रही है। उन्होंने कहा कि फुले ने रूढ़िवादी समाज में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समानता के लिए ऐतिहासिक कार्य किए, जो आज भी प्रेरणादायी हैं। उनकी इस प्रेरणादायक कार्यों को समाज में आमजन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी अब भूपेंद्र सैनी को मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूपेंद्र सैनी को राष्ट्रीय स्तर पर समिति का सदस्य बनाया है, इससे उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व सांसद कैलाश चौधरी, मंत्री अविनाश गहलोत, पूर्व मंत्री प्रभूलाल सैनी, विधायक बाल मुकुंदाचार्य, प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल, सीताराम पोसवाल, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, सहित सैनी समाज के पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक का शेष....

एसआई भर्ती रद्द होना....

आरपीएससी का हो 'यूपीएससी' की तर्ज पर पुनर्गठन:

सांसद ने आरपीएससी की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग का गठन संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की तर्ज पर होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि साल 2004 से अब तक आरपीएससी के जितने भी चेयरमैन और मेंबर रहे हैं, उनके कार्यकाल में चयनित रिश्तेदारों की सूची बनाकर उनकी योग्यता की जांच की जाए।

भजनलाल सरकार पर हमला:

बेनीवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार अधिकारी चला रहे हैं और प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि युवाओं और किसानों के मुद्दों का समाधान नहीं हुआ, तो 2028 में राजस्थान का युवा दोनों बड़ी पार्टियों को घर बैठा देगा।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं । आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पृष्ठ एक का शेष....

डोटासरा ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर.....

किन्तु एक रूपया भी संस्था में खाते में इस शिविर हेतु जमा नहीं हुआ है। जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश से यह शिविर आयोजित हुआ, स्कूल छात्रों के फण्ड से 20-20 रूपये काटे गये, यह भी प्रमाणित है । लेकिन इन शिविरों के माध्यम से घपले होने लगे और नियुक्तियों के नाम पर भ्रष्टाचार का बोलबाला हुआ, तब इस भ्रष्टाचार की शिकायत इस संस्था के जिला ऑर्गेनाईजर अजय कुमावत ने की, जिसमें गम्भीर आरोप लगे कि संस्था के सचिव नरेन्द्र औदिच्य, समन्वय सहायक सचिव विजय दाधीच, एसओसी गाईड कविता जैन, एएसओसी मनोज त्रिवेदी बिना सक्षम अनुमति के मनमाना शुल्क वसूल लगाकर शिविर में अवैध वसूली कर रहे हैं। उक्त विचार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने 9 मई 2026 को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, जयपुर में आयोजित प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये।

डोटासरा ने कहा कि इसी संस्था के जिला ऑर्गेनाईजर ने संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, जयपुर सम्भाग को लिखित में शिकायत की है कि बिना सक्षम स्वीकृति के शिविरों में मनमाना शुल्क निर्धारण कर अवैध वसूली हो रही है, चाकसू में आयोजित पांच दिवसीय शिविर दर्शाकर वास्तविकता में एक दिन आयोजित कर शेष राशि का गबन किया गया। इसके साथ ही सबसे गम्भीर आरोप यह है कि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, जयपुर के फर्जी हस्ताक्षर व सील का उपयोग कर आय-व्यय प्रमाण दिया गया, जबकि उक्त अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके थे, यह स्पष्ट जालसाजी है। इसके अतिरिक्त कार्मिकों को धमकी देकर स्वयं के निजी बैंक खातों में चारों संस्था के अधिकारियों ने धनराशि जमा करवाई। सीएसआर फण्ड से 60 लाख रूपये फर्जी बिल बाउचर के माध्यम से गबन किये जाने का उल्लेख भी इस पत्र में किया गया। अजय कुमावत ने आरोप लगाया है कि आरटीआई में सूचना मांगने पर आज तक इस संदर्भ में कोई सूचना नहीं दी गई है। डीएलईडी के शिविर के लिये 13000 बच्चों को 300 रूपये शुल्क निर्धारित किया गया, क्योंकि यह आवश्यक है। इसमें बिना प्रशिक्षण कराये ही सर्टिफिकेट दे दिये गये और राशि प्राप्त कर ली। इस संस्था के चारों अधिकारियों के निजी बैंक खातों में विभिन्न मद का पैसा गया, चाहे वह प्रशिक्षण का हो अथवा अन्य मद का हो। दर्पण पत्रिका के नाम पर बड़ी धनराशि प्राप्त की गई, जबकि उसका प्रकाशन छोटी संख्या में 10-20 प्रतियां ही छपवाई गई। जिलों में संस्था चलाने के लिये जो बजट दिया जाता है उसमें 30 से 40 प्रतिशत कमीशन के रूप में यह चार अधिकारी अपने निजी खातों में लेते थे। इसी संस्था के पदाधिकारी ने आरोप लगाये हैं और लिखित में सरकार को शिकायत की है, जिसके अनुसार एक लाख रूपये प्रतिवर्ष तो स्टीकर बांटने के नाम पर लिये जाते थे। जिला ऑर्गेनाईजर अजय कुमावत ने अपनी शिकायत में आरोप लगाये हैं कि कर्मचारियों का मानसिक उत्पीडऩ कर धमकी दी जाती है, नौकरी के नाम पर ठगी की गई, भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण नियमों का उल्लंघन किया गया, बिना विज्ञप्ति के गुप्त एवं पक्षपात नियुक्तियां की गई, कोर कमेटी द्वारा अवैध निर्णय लिये गये, फर्जी प्रमाण पत्र वितरण हुये, दोषियों पर कार्यवाही के स्थान पर संरक्षण एवं प्रमोशन दिया गया। इन सबके साथ सबसे गम्भीर आरोप यह लगाये गये कि शिकायकर्ता अजय कुमावत से 92400 रूपये नरेन्द्र औदिच्य राज्य सचिव ने, 7300 रूपये विजय दाधीच समन्वय सहायक सचिव ने, 594960 रूपये मनोज त्रिवेदी एएसओसी ने, कुल 694660 रूपये अपने-अपने निजी खाते में ट्रांसफर करवाये। इसी प्रकार लोकेश शेरावत सिंह से 30000 रूपये निजी खाते में नरेन्द्र औदिच्य ने अपने खाते में ट्रांसफर करवाये, पूर्व जिला प्रभारी कृष्ण कुमार मीणा से 12062 रूपये नरेन्द्र औदिच्य ने, 27638 रूपये विजय दाधीच ने, 12062 रूपये कविता जैन ने, 212238 रूपये मनोज त्रिवेदी एसओसी ने अपने निजी खाते में डलवाये। इसी प्रकार एएसओसी एपीओ मनीष शेरावत से 190834 नरेन्द्र औदिच्य ने, 751844 विजय दाधीच ने, 267618 रूपये कविता जैन ने अपने निजी खाते में प्राप्त किये। महेन्द्र गोरा पूर्व जिला प्रभारी से 38000 रूपये नरेन्द्र औदिच्य ने अपने निजी खाते में प्राप्त किये और पूर्व जिला प्रभारी कुलदीप कुमार गोयल से 106200 रूपये विजय दाधीच ने निजी खाते में प्राप्त किये, इस प्रकार कुल 2343156 रूपये चारों अधिकारियों ने अपने-अपने निजी खातें में डरा-धमकाकर प्राप्त किये। जब इन अधिकारियों द्वारा निजी खाते में पैसे लेने पर आपत्ति दर्ज करवाई गई क्योंकि यह पैसे संस्था के खाते में जमा होने चाहिये थे, तो धमकाकर आपत्तिकर्ताओं जिनसे पैसे अधिकारियों ने अपने निजी खाते में लिये को पद से हटा दिया गया।

डोटासरा ने शिविर आयोजन आदेश भी दिखाये जो कि कार्यालय आदेश सहभागिता शुल्क आदि के लिये निकाले गये, सरकारी आदेश से पंजीकरण हेतु विद्यालयों से भी पैसा लिया गया है। जो जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र हंस 31/05/2024 को एक वर्ष पूर्व रिटायर हो गये थे, उनके हस्ताक्षर से 12/03/2025 को रिपोर्ट बनाई गई। मंत्री महोदय संस्था के लिये कह रहे हैं कि सेवा नियम नहीं बने हैं किन्तु सरकार के अधिकारियों ने जिसमें विशिष्ट शासन सचिव शिक्षा ग्रुप 4, संयुक्त विधि परामर्शदात्री, वरिष्ठ लेखा अधिकारी ने एक जॉंच रिपोर्ट बनाई थी, जिसमें दर्ज है कि संस्था के कर्मचारियों के लिये सेवा नियम बने हुये जो रिपोर्ट के साथ संलग्र वर्णन दिया गया है। इस रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि संस्था के लिये अनुदान नियम भी पारित हो चुके हैं। अब मंत्री जी को यह जवाब देना चाहिये कि सरकारी अधिकारी तो कह रहे हैं कि सेवा नियम बने हुये हैं और वे इसे नकार हैं तो सही कौन है। यदि नियम नहीं बने हैं तो धनराशि कैसे ली जा रही है और 24-25 के बजट में चार करोड़ रूपये कैसे स्वीकृत हो गये और डेढ़ करोड़ रूपये जारी भी हो गये और यदि बने हैं तो मंत्री जी झूठ क्यों बोल रहे हैं, जबकि इस संस्था की ऑडिट होनी चाहिये और संस्था के खाते में कितने पैसे यह भी जानकारी होनी चाहिये। ऐसा नहीं होना बड़ी बेईमानी का सूचक है। संस्थान द्वारा खाल प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर व मोहन लगाई जाती है, उसके पश्चात् बांटे जाते हैं, जबकि प्रमाण पत्र पर नाम इत्यादि भरने के बाद ही हस्ताक्षर व मोहर लगाई जानी चाहिये। सरकार के प्रगति प्रतिवेदन के पेज नम्बर 129, 130 और 131 पर जो विवरण दर्ज है उसमें हिन्दुस्तान स्काउट एण्ड गाईड संस्थान का महिमा मण्डन किया गया है और कितनी राशि मद में मिली जिक्र है। यदि संस्था के सेवा नियम नहीं बने होते और स्वयं का बैंक खाता नहीं होता तो राजस्थान विधानसभा में पेश प्रगति प्रतिवेदन में इसका जिक्र कैसे हो सकता है।

डोटासरा ने इस अवसर पर यूपीआई के माध्यम से निजी खातों में जमा हुई धनराशि की रसीदें दिखाई। कार्मिकों को किस प्रकार धमकाया गया, इसका नमूना ऑडियो सुनाकर प्रस्तुत किया गया। आश्चर्य की बात है कि मदन दिलावर के पीए जो बंशीवाल है, हर कैम्प में एक दिन के लिये जाते हैं, जबकि उनका वहां कोई काम नहीं है, इसके भी प्रमाण उपलब्ध हैं। जो वित्तीय घोटाला हुआ वह मात्र एक जयपुर जिले का है । लेकिन दु:ख का विषय है कि सरकार का मंत्री इस संस्था का अध्यक्ष हो, उसमें इस तरह के बड़े वित्तीय घोटाले कैसे हो सकते हैं। इसकी जांच होनी चाहिये। मंत्री महोदय से केवल इतनी मांग है कि अजय कुमावत जिला ऑर्गेनाईजर ने जो शिकायत वित्तीय घोटालों एवं अन्य भ्रष्टाचार की है, उसकी निष्पक्षता से जिस एजेन्सी से मंत्री महोदय चाहे जांच कराये, जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाये और सच्चाई जनता के सामने आ सके। यदि मंत्री महोदय की संस्था पर इतने बड़े वित्तीय घोटाले के आरोप लग रहे हैं, उनका पीए शिविरों में मौजूद रहता है तो इन आरोपों की जांच क्यों नहीं करवाई जा रही है और जांच ना करवाकर मंत्री महोदय अनर्गल व अनुचित भाषा का उपयोग मुझ गोविन्द सिंह डोटासरा के लिये क्यों कर रहे हैं।

डोटासरा ने कहा कि शिक्षा विभाग में एक दर्जन से ज्यादा गड़बड़ियों की जानकारी मिली है जिन्हें समय पर विधानसभा में उठाकर गर्वनेन्स की पोल तथ्यों सहित खोली जायेगी। मंत्री महोदय की संस्था पर गम्भीर आरोप हैं, उन आरोपों पर निष्पक्षता से जांच करवाकर तथ्यों सहित जानकारी आमजनता के सामने रखी जानी चाहिये।

नाम बदला, सिस्टम नहीं: गणगौरी अस्पताल में रिश्वत, अव्यवस्था और घंटों लाईन में परेशान मरीज

-नाम बदला, लेकिन नहीं बदले अस्पताल के हाल

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । गणगौरी अस्पताल का नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल कर दिया गया, लेकिन अस्पताल की जमीनी स्थिति अब भी बदहाल नजर आई। अस्पताल में सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें लगी रहीं। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि नाम बदलने से व्यवस्थाओं में कोई सुधार दिखाई नहीं दिया। अस्पताल परिसर में अव्यवस्था, भीड़ और लापरवाही का माहौल साफ दिखाई दिया।

सुबह से लगी मरीजों की लंबी कतारें

सुबह आठ बजे से पहले ही अस्पताल के बाहर और अंदर मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली। पर्ची कटवाने से लेकर डॉक्टर को दिखाने और दवा लेने तक हर जगह लंबी लाइनें लगी थीं। कई मरीज घंटों इंतजार करते रहे, लेकिन उनकी सुनवाई समय पर नहीं हो सकी। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी कतारों में परेशान दिखाई दिए।

पर्ची काउंटर पर कर्मचारी मिले नदारद

अस्पताल में जहां चार से पांच कर्मचारियों की ड्यूटी रहती है, वहां सुबह केवल दो कर्मचारी मौजूद मिले। मरीजों का कहना है कि स्टाफ की कमी के कारण काम बेहद धीमी गति से चल रहा था। सुबह साढ़े आठ बजे तक कई कर्मचारी अपनी सीटों पर नहीं पहुंचे थे, जिससे भीड़ लगातार बढ़ती चली गई।

नई स्कैन प्रक्रिया बनी मरीजों की परेशानी

सरकार द्वारा शुरू की गई नई स्कैनिंग प्रक्रिया मरीजों के लिए

बड़ी परेशानी बनती दिखाई दी। मरीजों को पहले पर्ची स्कैन करवानी पड़ रही थी, उसके बाद ही दवा मिल रही थी। एक मरीज की पर्ची स्कैन होने में पांच से दस मिनट तक लग रहे थे, जिसके कारण दवा काउंटर पर लंबी लाइनें लग गईं और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

डॉक्टर समय पर नहीं पहुंचे अस्पताल

अस्पताल का समय सुबह आठ

बजे का होने के बावजूद कई कमरों में आठ बजकर दस मिनट तक डॉक्टर मौजूद नहीं मिले। कुछ कमरों में उस समय साफ-सफाई चल रही थी, जबकि मरीज बाहर लाईन में खड़े इंतजार करते रहे। मरीजों का आरोप है कि डॉक्टरों की देरी का खमियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

मरीज छोड़ चाय पीते दिखे इंटर्न डॉक्टर

अस्पताल में मौजूद इंटर्न डॉक्टर मरीजों को देखने के बजाय चाय पीते और बातचीत करते नजर आए। बाहर मरीजों की लंबी कतारें लगी थीं, लेकिन अंदर डॉक्टर आपस में बातचीत और मोबाइल चलाने में व्यस्त दिखाई दिए। इससे मरीजों और उनके परिजनों में नाराजगी देखने को मिली।

दिव्यांग मरीज भी लाइन में भटकता रहा

अस्पताल में एक दिव्यांग और पैरालाइज्ड मरीज को भी लाइन में लगकर घंटों परेशान होना पड़ा। मरीज के पास ऐसी पर्ची मौजूद थी जिसमें साफ लिखा था कि वह चल और बोल नहीं सकता, इसके बावजूद उसे कोई विशेष सुविधा नहीं दी गई। वह मरीज अंदर-बाहर भटकता रहा, लेकिन अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं मिली।

गर्भवती महिला से रिश्वत लेने का आरोप

अस्पताल की महिला गार्ड पर गर्भवती महिला से जल्दी डॉक्टर को दिखाने के बदले सौ रुपये लेने का आरोप लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि जल्दी नंबर लगाने के नाम पर पैसे मांगे गए। इस घटना के बाद अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

गंदगी से बदहाल मिले अस्पताल के शौचालय

अस्पताल के शौचालयों की हालत बेहद खराब मिली। अंदर गुटखा, पान और गंदगी फैली हुई थी। कई जगह पानी भरा हुआ था और फर्श पर पेशाब फैला हुआ दिखाई दिया। मरीजों और उनके परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन सफाई व्यवस्था पर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहा।

एम्बुलेंस स्थल पर खड़ी मिली स्टाफ की गाड़ियां

अस्पताल परिसर में एम्बुलेंस खड़ी करने की जगह पर स्टाफ की निजी गाड़ियां खड़ी मिलीं। इससे मरीजों और एम्बुलेंस को आने-जाने में परेशानी हो रही थी। लोगों का कहना है कि अस्पताल परिसर में अवैध पार्किंग और कर्मचारियों की मनमानी लगातार बढ़ती जा रही है।

अधिकारियों ने कैमरे से बनाई दूरी

जब अस्पताल की स्थिति को लेकर अधिकारियों से बात करने की कोशिश की गई तो कई अधिकारी जवाब देने से बचते नजर आए। नर्सिंग अधिकारी भारत भूषण शर्मा और वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एल. हर्षवर्धन ने अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर खुलकर जवाब नहीं दिया। मीडिया के सवालों से बचते हुए दोनों अधिकारियों ने अस्पताल की स्थिति सामान्य बताई।

जनता बोली, कागजों में ही सुधार दिखता

अस्पताल पहुंचे लोगों का कहना है कि सरकार केवल कागजों में सुधार की बात करती है, जबकि धरातल पर मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद समय पर इलाज और दवाइयां नहीं मिल पा रही हैं। मरीजों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार की मांग की।

नर्सिंग स्टाफ ने दिया अल्टीमेटम, जल्द समाधान नहीं तो होगा उग्र विरोध प्रदर्शन

हरि चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल के बाहर नर्सिंग कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। 'राजस्थान नर्सेज भर्ती संघर्ष समिति' के बैनर तले बड़ी संख्या में नर्सेज कर्मचारी धरने पर बैठ गए हैं। कर्मचारियों की स्पष्ट मांग है कि आगामी नर्सिंग, पैरामेडिकल, जीएनएम और एएनएम भर्तियों को परीक्षा के बजाय 'मेरिट प्लस बोनस' (10, 20, 30 अंक) के आधार पर ही कराया जाए। प्रमुख मांगें और तर्क: धरने पर बैठे कर्मचारियों का कहना है कि वे पिछले 5-6 वर्षों से मात्र ₹7,900 के अल्प वेतन पर संविदा पर काम कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि 2013, 2018 और हाल ही में हुई 8,750 पदों की नियुक्तियां इसी मेरिट और बोनस के आधार पर हुई हैं, तो फिर नई भर्तियों में नियमों को क्यों बदला जा रहा है।

'पढ़ाई का समय अस्पतालों को दिया, अब परीक्षा कैसे दें?' :-

महिला नर्सिंग कर्मियों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि उन्होंने अपनी पढ़ाई का महत्वपूर्ण समय सरकारी अस्पतालों में सेवाएं देने में लगा दिया। कई कर्मचारियों की उम्र अब 35 से 40 वर्ष के करीब पहुंच चुकी है और उन पर पारिवारिक जिम्मेदारियां भी हैं। ऐसे में वे उन छात्रों से मुकाबला नहीं कर सकते जो केवल लाइब्रेरी में बैठकर परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं।

कोविड काल की सेवाओं का हवाला:-

नर्सिंग स्टाफ ने सरकार को याद दिलाया कि कोविड महामारी के दौरान इन्हीं कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर काम किया था, जिसके लिए उन पर पुष्प वर्षा की गई थी। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि आज जब उन्हें स्थाई रोजगार और अनुभव का लाभ देने का समय आया है, तो सरकार परीक्षा थोपकर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही है।

सरकार को कड़ी चेतावनी:-

आंदोलनकारियों का दावा है कि उन्होंने करीब 130 से अधिक विधायकों और कई मंत्रियों से अपनी मांगों के समर्थन में पत्र (डिजायर) लिखवाए हैं, लेकिन सरकार का रवैया अभी भी स्पष्ट नहीं है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे काम बंद कर कड़ा रुख अपनाने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

रॉयल पत्रिका की खबर का असर......

जागा प्रशासन-बंद पड़े नाले का काम शुरू

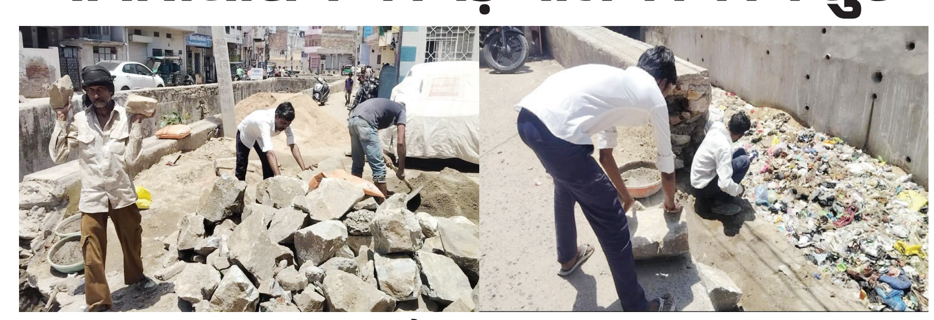

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । शास्त्री नगर स्थित नाहरी का नाका क्षेत्र में एक महीने से बंद पड़ा नाले का निर्माण कार्य आखिरकार शुरू हो गया। लंबे समय से नाला पूरी तरह ढहा हुआ था और उसका काम बीच में ही रोक दिया गया था। सड़क के नीचे लगातार जमीन धंस रही थी, बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके थे और आस-पास के मकानों में दरारें आने लगी थीं। लोगों को डर था कि अगर समय रहते काम शुरू नहीं हुआ तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लेकिन जैसे ही रॉयल पत्रिका की टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले को प्रमुखता से उठाया, उसके बाद प्रशासन हरकत में आया और रुका हुआ निर्माण कार्य दोबारा शुरू करवा दिया।

बच्चों और राहगीरों को हो रही थी परेशानी

नाले का हिस्सा ढहने के कारण रास्ता काफी हद तक प्रभावित हो गया था। स्कूल जाने वाले बच्चों, बाईक चालकों और स्थानीय लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कई दिनों तक लोगों ने डर के कारण रास्ते का इस्तेमाल कम कर दिया था। सड़क के नीचे खाली जगह बनने से हादसे का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा था।

स्थानीय लोगों ने जताया रॉयल पत्रिका का आभार

स्थानीय निवासी अब्दुल शहीद और अन्य लोगों ने रॉयल पत्रिका का धन्यवाद करते हुए कहा कि अगर मीडिया यह मुद्दा नहीं उठाती तो शायद काम अभी भी बंद पड़ा रहता। लोगों ने कहा कि रॉयल पत्रिका लगातार जनहित के मुद्दों, निगम की लापरवाही, गंदगी और जनता की समस्याओं को मज़बूती से उठाता है, जिसकी वजह से प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ती है।

अब लोगों को राहत की उम्मीद

इलाके के लोगों का कहना है कि अब उन्हें उम्मीद है कि नाले का निर्माण कार्य जल्द पूरा होगा और सड़क धंसने का खतरा भी खत्म होगा। लोगों ने मांग की है कि इस बार काम को बीच में न रोका जाए और गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा किया जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे की आशंका न रहे।

समान व समावेशी शिक्षा के लिए सामुदायिक प्रयास और शैक्षिक चैरिटी बहुत जरूरी है - डॉ. दौलत राम माल्या

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। "समान व समावेशी शिक्षा के लिए सामुदायिक प्रयास और शैक्षिक चैरिटी बहुत जरूरी है। यह सशक्त व समृद्ध समाज की नींव है। जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में मदद से ही उच्च शिक्षा का प्रतिशत बढ़ सकता है।" उक्त विचार समर्पण संस्था की ओर से राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान दुर्गापुरा स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में शैक्षिक चैरिटी पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने व्यक्त किये। डॉ. माल्या ने पीपीटी प्रजन्टेशन द्वारा "शैक्षिक चैरिटी: समानता और समावेशी शिक्षा की दिशा में एक कदम" विषय पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए कहा कि "शिक्षा वह प्रकाश है जो अंधकार को दूर करता है। शैक्षिक चैरिटी उस प्रकाश को हर कोने तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। जब हम एक बच्चे को शिक्षा देते हैं, तो हम न सिर्फ उसका भविष्य बदलते हैं, बल्कि एक समान, समावेशी और समृद्ध भारत का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन को रोशन करती है। सभी को शिक्षा देना सत्ता, शासन व समाज की ज़िम्मेदारी है। किसी व्यक्ति की शिक्षा के लिए किया दान सर्वश्रेष्ठ है। शिक्षा दान से बढ़कर कोई दान नहीं है। अन्न, वस्त्र, औषधि,

धन, भोजन आदि के दान एक न एक दिन खत्म हो जाते है। लेकिन शिक्षा का दान कभी खत्म नहीं होता है वह आजीवन साथ रहता है।" डॉ. माल्या ने समर्पण संस्था द्वारा निर्धन विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए किये जा रहे नवाचार "एज्यूकेशनल एम्बेसेडर" अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि संस्था द्वारा आर्थिक सम्पन्न व्यक्ति जो पे बैक टू सोसायटी की भावना रखते हैं। उन्हें एक निर्धन विद्यार्थी की शिक्षा की जिम्मेदारी देकर एज्युकेशनल ब्रांड एम्बेसेडर/एज्युकेशनल ए म्बे से ड र / ए ज्यु के श न ल एसोशिएट नियुक्त किये जा रहे हैं। शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए 25 मई तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इसके साथ ही जरूरतमंद विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया भी नियमित चल रही है। व्याख्यान कार्यक्रम की शुरुआत समर्पण प्रार्थना के साथ की गई जिसे राम अवतार नागरवाल व आर्किटेक्ट सुश्री सुवज्ञा माल्या ने प्रस्तुत किया। इस अवसर मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस जनाब ए आर खान उपस्थित रहे। गीतकार रमेश कुमार ने शिक्षा पर एक गीत प्रस्तुत किया। विशेष आमंत्रित अतिथि योगाचार्य योगी मनीष सूर्यवंशी हेप्पीनेस योगा पर अपने विचार व्यक्त किये। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त उपप्रधानाचार्य व साहित्यकार डॉ. प्रकाश चन्द टेलर, अधिशाषी अभियंता नरेश कुमार बैरवा, सीनियर सेक्शन इंजीनियर लखन लाल मीना ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त आईपीएस जी. सी. रॉय ने कहा कि " शैक्षिक चैरिटी ज्ञान का प्रकाश है, जो अंधेरे को मिटाकर हर जीवन को रोशन कर सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में सबको मिलकर काम करने की जरूरत है ।"

हज़रत मौलाना ज़ियाउद्दीन साहब के उर्स में शिया धर्मगुरु ने शिरकत की

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजधानी जयपुर में हज़रत मौलाना ज़ियाउद्दीन साहब रहमतुल्लाह अलेह हुसैनी उल हसनी फ़ख़री निज़ामी चिश्ती शाहे विलायत जयपुर का 217वाँ सालाना उर्स मुबारक के मौके पर शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद नाज़िश अक़बर काज़मी साहब व मौलाना सैयद अली इमाम नकवी साहब दरगाह मौलाना ज़ियाउद्दीन चारदरवाजा पहुँचे । इस मौके पर राजस्थान शिया मुस्लिम महासभा जयपुर ज़िला अध्यक्ष सैयद शेर अब्बास ज़ैदी, प्रदेश सचिव अकरम हुसैन ज़ैदी, ज़िला सचिव रहबर रज़ा ज़ैदी, रियाज़ हुसैन, शान तक़वी ,प्रवक्ता सैयद जाफ़र अब्बास तक़वी, सह सचिव यूसुफ़ हुसैन जाफरी, व अन्य लोगो ने उर्स मुबारक के मौके पर चादर पेश की । ज़िला प्रवक्ता सैयद जाफ़र अब्बास तक़वी ने बताया दरगाह के सज्जादानशीन सैय्यद ज़ियाउद्दीन उर्फ ज़िया मियां साहब ने सभी आये हुए महमानों की दस्तार पहनाकर स्वागत किया और दरगाह में चादर पेश करने के बाद मुल्क में शांति भाईचार और तरक्की के लिए दुआ माँगी व विश्व में शांति बहाली के लिए भी दुआ की और उर्स की मुबारकबाद पेश की ।

डॉ. भीमराव अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी की इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन

-देश विदेश के विख्यात विधिवेत्ता हुए सम्मिलित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय एवं एस.एस. जैन सुबोध लॉ कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय "इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड सोशल जस्टिस फॉर विकसित भारत 2047" इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आज समापन हुआ। अंबेडकर विधि विवि के जनसंपर्क सलाहकार विक्रम राठौड़ ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बदलते वैश्विक परिदृश्य में सामाजिक न्याय, विधिक उत्तरदायित्व, डिजिटल शासन तथा समावेशी विकास के विभिन्न आयामों पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सांझा मंच पर संवाद किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर संदीप संचेती, वाइस प्रसिडेंट रिसर्च रिलेशन एण्ड एकेडमिक अबेजडर, ऐलसवियर इण्डिया थे। समापन सत्र में प्रो. एमके भण्डारी विशिष्ट अतिथि, प्रो.निष्ठा जसवाल कुलगुरु, वीरेन्द्र कुमा वर्मा रजिस्ट्रार, प्रो. शोभारामज डीन, एस.एस. जैन सुबोध शिक्षा समिति के संयुक्त मन्त्री विनोद लोढा, सुबोध कॉलेज के संयोजक जितेन्द्र पटवा, प्राचार्य प्रो. गौरव कटारिया उपस्थित रहे। इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस मं विख्यात विधिवेत्ता, लॉ प्रोफेशनल, विद्यार्थी, शोधार्थी और विधि शिक्षाविद सम्मिलित हुए। कॉन्फ्रेंस में संवैधानिक कानून,

मानवाधिकार, साइबर कानून, पर्यावरण न्याय, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं विधि सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। कॉन्फ्रेंस में विभिन्न विधि विशेषज्ञ और प्रतिभागी अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने कानून एवं समाज के बदलते संबंधों, डिजिटल युग में न्यायिक चुनौतियों तथा मानवाधिकार संरक्षण जैसे विषयों पर गहन चर्चा की। अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न शिक्षाविद, न्यायविद, शोधार्थी और नीति एक्सपर्ट्स ने एक मंच पर विचारों, शोध निष्कर्षों और कानूनी दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान किया। मुख्य अतिथि प्रो. संदीप संचेती ने अपने उद्बोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य तथा उसके मानव जीवन, व्यक्तिगत पहचान और सामाजिक संरचना पर पड़ने वाले व्यापक प्रभावों पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक, तीव्र और व्यवस्थित बनाएगी, किन्तु इसके साथ ही यह निजता, साइबर सुरक्षा, नैतिकता, रोजगार और मानवीय संवेदनाओं से जुड़े अनेक नए प्रश्न और चुनौतियाँ भी उत्पन्न करेगी। उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास तभी सार्थक है जब वह मानव मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ संतुलित रूप में आगे बढ़े। कुलगुरु प्रो. (डॉ.) निष्ठा जसवाल ने कहा कि यह आयोजन वैश्विक स्तर पर ज्ञान, शोध और नीति के साझा संवाद के साथ वैश्विक शैक्षणिक संवाद को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने इसे अम्बेडकर विश्वविद्यालय के लिए अकादमिक उत्कृष्टता, वैश्विक सहभागिता और ज्ञान आधारित समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। यह कॉन्फ्रेंस से विधि शिक्षा एवं न्यायिक सुधारों की दिशा में उपयोगी सिद्ध हुई हैं।

ऑल इण्डिया मुस्लिम वक़्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड में की गई नियुक्तियाँ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ऑल इडिया मुस्लिम वक़्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड के राष्ट्रीय कार्यालय में प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रहीस अहमद ने की व मीटिंग का संचालन राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार मोइनुद्दीन नारू ने किया। मीटिंग में प्रदेश व जिला पदों पर नियुक्तियां की गई। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आफताब हिन्दुस्तानी, ज़िला अध्यक्ष नवाब कुरैशी, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद ज़फर कुरैशी, मिर्जा इकबाल बैग, हाजी अब्दुल शफीक, मोहम्मद हफिज, झोटवाड़ा विधानसभा अध्यक्ष शबाब खान को नियुक्त किया गया। मीटिंग में राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल रईस, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद हुसैन (मुन्ना), ज़ुनेद अख़्तर आसिफ, प्रदेश अध्यक्ष जफर मिर्जा, प्रदेश उपाध्यक्ष अकरम कुरैशी, प्रदेश मीडिया प्रभारी नफीस मनिहार, गुलजार कुरैशी, सिराजुद्दीन (मुन्ना), जुल्फिकार अली, खालिद खान, रमीज कुरैशी, अशरफ अहमद गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. इफ्तिखार खान की क्लिनिक का उद्घाटन

-विधायक रफ़ीक़ खान पहुंचे उदघाटन प्रोग्राम में

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सी- स्कीम क्षेत्र में अत्याधुनिक त्वचा एवं बाल रोग उपचार केंद्र "टूडर्म स्किन एंड हेयर क्लिनिक" का उद्घाटन रविवार को आदर्श नगर विधायक रफीक खान द्वारा किया गया। क्लिनिक के संचालक डॉ. इफ्तिखार खान ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से एमबीबीएस एवं त्वचा रोग विषय में एमडी की उपाधि प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त उन्होंने यूनाइटेड किंगडम से एमआरसीपी तथा हेयर ट्रांसप्लांट में आईएडीवीएल फैलोशिप भी प्राप्त की है। डॉ. खान त्वचा एवं बाल रोगों के आधुनिक उपचार, हेयर ट्रांसप्लांट तथा सौंदर्य चिकित्सा के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखते हैं। क्लिनिक में बाल झड़ना, मुंहासे एवं उनके दाग, त्वचा पर झाईयाँ एवं पिग्मेंटेशन, लेजर द्वारा अनचाहे बाल हटाना, एंटी एजिंग उपचार, हाईड्राफेशियल तथा अन्य त्वचा एवं बाल संबंधी रोगों का उपचार आधुनिक तकनीक द्वारा किया जाएगा। डॉ. खान ने बताया कि क्लिनिक का उद्देश्य मरीजों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से मरीजों को बेहतर एवं प्रभावी उपचार प्रदान किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में चिकित्सकगण, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

तुर्की इज़राईल पर कब्जा कर लेगा !

विश्व के मुस्लिम देशों में तुर्की एक ऐसा देश बनकर उभरा है जो रक्षा अंतरिक्ष, ए.आई. से संबंधित नई-नई तकनीक विकसित कर रहा है। तुर्की ने दो वर्ष पहले पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान कान विकसित किया है। पांचवें पीढ़ी के विमान विश्व के कुछ ही देश बना पाए हैं। इसी तरह तुर्की ने मानव रहित लड़ाकू विमान (यूसीएवी) किजिलेल्मा का निर्माण किया है ¡ इस कैटेगरी का विमान बनाने वालों में तुर्की पहला देश है। इसके इसके अलावा तुर्की अंतर महाद्वीपीय मिसाइलें, घातक ड्रोन और समुद्री युद्धक पोतों का निर्माण तेजी से कर रहा है। साथ में तुर्की इन सैनिक विमानों, समुद्री पोतों, ड्रोन और मिसाइलों का निर्यात भी कर रहा है। तुर्की इन हथियारों को विभिन्न देशों को बेचकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत भी कर रहा है। पाकिस्तान, मालदीप, इंडोनेशिया, अज़रबैजान, मलेशिया, सऊदी अरब सहित अनेक देश तुर्की के हथियारों के खरीदार बन चुके हैं। तुर्की सैनिक ताकत बनने के साथ-साथ अपना राजनीतिक वर्चस्व बढाने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। तुर्की के विश्व के कई देशों के साथ रक्षा, व्यापार एवं रणनीतिक समझौते हैं। अर्मेनिया और अजरबैजान युद्ध में तुर्की ने अज़रबैजान का खुलकर साथ दिया और अजरबैजान की जीत हुई। सीरिया में तुर्की ने कब्जा करके अपनी पसंद का शासक बैठा दिया है। तुर्की सीरिया पर अपना वर्चस्व कायम करके इजराईल की सीमा तक पहुंच रखने लगा है। इसके अलावा अज़रबैजान से इज़राईल को कच्चे तेल एवं गैस की आपूर्ति होती है। इजराईल को तेल गैस की आपूर्ति पाइपलाइन से होती है, जोकि तुर्की से होकर गुजरती है। तुर्की जब चाहेगा इजराईल के तेल और गैस की आपूर्ति रोक सकता है। तुर्की के खलीफा यानि तुर्की राष्ट्रपति है एर्दोगान कई बार कह चुके हैं कि इज़राईल और येरूसलम साथ मंअ फिलिस्तीन की भूमि हमारे पुरखों की भूमि है और एक दिन हम इसको वापस लेकर रहेंगे। येरूसलम का मुसलमानों के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक महत्व है। तुर्की जिस तरह से शक्तिशाली देश बनने के प्रयास कर रहा है, उससे तो यही लगता है कि तुर्की अपनी पुरानी विरासत को हर हालत में पाना चाहता है। तुर्की कभी पूरे यूरोप और आधे एशिया पर शासन करता था। अब तुर्की के शासकों को फिर से अपना पुराना साम्राज्य स्थापित करने की जल्दबाज़ी लगने लगी है। तुर्की सुन्नी मुस्लिम और मुस्लिम देशों के ध्रुवीकरण की कोशिश करता रहता है। मुस्लिम देशों को बात-बात पर धमकाने वाले इजराईल से तुर्की काफी ताकतवर हो चुका है। इज़राईल के पास सुरक्षा कवच आयरन डोम है तो तुर्की के पास उससे भी एडवांस सुरक्षा कवच स्टील डोम है। तुर्की इज़राईल को धीरे-धीरे चारों तरफ से घेरता जा रहा है। इज़राईल जब ईरान से मुकाबला युद्ध में नहीं कर पाया तो तुर्की से कैसे कर पाएगा। तुर्की को लेकर भारत को भी सचेत रहने की जरूरत है, क्योंकि तुर्की ने भारत के पड़ौसी पाकिस्तान, बांग्लादेश, मालदीप और इंडोनेशिया से मजबूत रिश्ते बना लिए हैं। भारत के दोस्त इज़राईल को कमजोर करने के लिए तुर्की पूरे प्रयास कर रहा है। इसलिए कहा जा सकता है कि तुर्की की इज़राईल पर कब्जा करने की महत्वाकांक्षा कभी भी जाग सकती है इसका सीधा प्रभाव भारत पर भी पड़ेगा।

अहमद अल-बुनी एक मशहूर सूफी "जादूई ग्रन्थों के लेखक"

अहमद अल-बुनी (Ahmad al-Buni) का जन्म और मृत्यु की तारीख बहुत सटीक तरीके से इतिहास में दर्ज नहीं है। अहमद अल-बुनी का पूरा नाम अबू बक्र अहमद इब्न अली अल-बुनी है और यह शरफ अल-दीन या शिहाब अल-दीन, अबू अल-अब्बास, अहमद इब्न अली इब्न यूसुफ अल-बूनी अल-मालिकी अल-इफ्रीकी के नाम से भी जाने जाते हैं। वे 12 वीं–13 वीं शताब्दी के सूफ़ी थे। ज्यादातर इतिहासकार उन्हें मग्रिब/बोन (वर्तमान अल्जीरिया) के शहर बोने से जोड़ते हैं, जहाँ से उनकी उपाधि "अल-बुनी" (यानि "बोने का आदमी") मिली। उनका जीवनकाल 1180–1225 ई. के बीच बताया जाता हैं। उनकी मृत्यु भी लगभग 13वीं शताब्दी के बीच (600–630 हिज्री /1200–1230 ई. के आसपास) मानी जाती है। काहिरा (मिस्र) में उनकी कब्र (मज़ार) है, जो सदियों से श्रद्धा का केंद्र रही है।

अल-बुनी की रुचि, सूफियाना इबादत, ज़िक्र-उज़्ज़, तज़कियाए नफ्स (आत्म-संयम) और अल्लाह से रिश्ते के बारे में, बहुत गहरी थी। उन्हें "रूहानी विशेषज्ञ" माना जाता है, क्योंकि उन्होंने अल्लाह के 99 नामों, हर्फ़ों के रहस्य (जैसे "ज़वायद अल-हुरूफ़"), अंकों की ख़ास जगह और नामों की ऊर्जा पर बहुत गहराई से काम किया, जिसे "इल्म अल-हुरूफ़" या "रमज़ी इल्म" कहते हैं। अल-बुनी को एक तरह का "गणितज्ञ/रहस्यवादी गणितीय विद्वान" भी माना जाता है, उनकी रचनाओं में अक्षर-अंक-जादुई वर्ग (जैसे "सकीना" और "अमल-गोले") जैसी चीज़ें बहुत हैं। वे अक्षरों को नंबरों से जोड़कर एक प्रकार का "कोड-सिस्टम" बनाते थे, जिसमें ख़ास नाम या आयतों को विशेष जाल, गोले और "जादुई वर्ग" (मैजिक स्क्वेयर) में लिखकर उन्हें पवित्र या सुरक्षित माना जाता था; आजकल लोग इसे "ऑक्यूल्ट" या "मिस्टिक गणित" कहते हैं।

अल-बुनी के शिक्षकों में एक या एक से ज़्यादा सूफ़ी शिक्षकों का ज़िक्र मिलता है, लेकिन उनके नाम बहुत स्पष्ट या सर्व-सम्मत नहीं। कुछ सूफ़ी लेखों में कहा गया है कि वे इब्न अरबी जैसे मशहूर सूफ़ी चिंतकों के ज़माने के निकट रहे हैं लेकिन यह साफ़ नहीं है कि क्या इब्न अरबी उनके शिक्षक थे या नहीं। इस्लामी शैक्षणिक दृष्टिकोण में यह माना जाता है कि अल-बुनी ने क़ुरआन, हदीस और उस समय के सूफ़ी उलेमा से ज्ञान लिया जिनमे अबू अब्दुल्लाह शम्स अल-दीन अल-असफहानी से अक्षरों के गूढ़ गुणों (इल्म अल-हुरूफ) के बारे में इनसे सीखा।

- सिराज अल-दीन अल-हनफी से जादुई वर्गों (मैजिक स्क्वायर) का ज्ञान प्राप्त किया।
- मोहम्मद इज़्ज़ अल-दीन इब्न जामा से गूढ़ अक्षरों और जादुई वर्गों का अतिरिक्त ज्ञान लिया।
- अबू अल-अब्बास अहमद इब्न मैमून अल-कस्तलानी से गुप्त विद्या (ऑकल्ट नॉलेज) का ज्ञान प्राप्त किया। ख़ास तौर पर अल्लाह के नामों, अक्षरों की गणित-रहस्यवादी विद्या (इल्म अल-हुरूफ़) का अध्ययन सूफ़ी गुरुओं के निर्देश में किया।

अल-बुनी का काम ज़्यादातर सूफ़ी खुफिया सिलसिलों, रहस्यवाद और जादू-टोने से जुड़ी विद्या में था, इसलिए बहुत सा ज्ञान मुँह-दर-मुँह (मुरीदी-पीरी परंपरा) चलता रहा, इनकी प्रमुख किताबें:-

1. शम्स अल-मआरिफ अल-कुब्रा (Shams al-Ma'arif al-Kubra)-
यह उनकी सबसे मशहूर और विवादित रचना है, जिसमें अल्लाह के नामों, अक्षरों के रहस्य, जादुई वर्ग (जादुई स्क्वेयर), जिन्न और भविष्य-जानकारी जैसे विषय शामिल हैं। - इसलिए इसे "सबसे खतरनाक /रहस्यमय किताब" कहा जाता है, और इस्लामी दृष्टिकोण में इसके जादू-जैसे अंशों के कारण इसकी खुलकर प्रशंसा नहीं की जाती। मूल किताब सिर्फ 40 पृष्ठों की थी, जो इस्लामी आध्यात्मिकता और रूहानियत पर आधारित थी, लेकिन बाद में इसमें अतिरिक्त सामग्री जोड़ी गई, जिससे यह 600 से अधिक पृष्ठों की हो गई। यह किताब 1225 ईस्वी के आसपास पूरी हुई और सदियों से विवादास्पद बनी हुई है। इसमें तिलिस्म (यंत्र), नामों की शक्तियां, ज्यामिति, अंकज्योतिष, जिन्न और रूहानी अमल शामिल हैं। यह कुरान की आयतों, अस्मा-उल-हुस्ना और सूफी तसव्वुफ पर आधारित है, लेकिन इसमें शैतानी ज्ञान का मिश्रण भी माना जाता है। मिसाल के तौर पर, इसमें रिज्क, सफर की हिफाजत, प्रेम और सुरक्षा के लिए ताबीज व अमल बताए गए हैं। कई उलेमा इसे जादू-टोने की किताब मानते हैं, जो पढ़ने वाले को पागल या नुकसान पहुंचा सकती है। इस्लामी विद्वानों का ख़ास नियम है: जादू-सिहर के तरीके न तो सीखो, न याद रखो, न दूसरों को बताओ, चाहे तुम उसे देख लो। असली किताब रूहानी है, लेकिन बाद के संस्करणों में काला जादू जोड़ा गया। इस्लामी विद्वान इसे हराम या मम्नू मानते हैं, क्योंकि यह नूर (दिव्य ज्ञान) और तारिकी (निषिद्ध ज्ञान) को मिला देती है। इस किताब में

- तलिस्मी अमलियात: जिन्नों को नियंत्रित करने और सुरक्षा के यंत्र हैं।
- अस्मा-उल-हुस्ना के रहस्य: अल्लाह के नामों की शक्तियां हैं।
- जिन्नात पर अध्याय: जिन्नों को बुलाने और काबू करने की विधियां बताई गई हैं। इस पुस्तक को अरब-इस्लामिक दुनिया में अपनी श्रेणी की सबसे प्रभावशाली पाठ्य-पुस्तकों में से एक माना जाता है और इसे कभी-कभी लैटिन पिकैट्रिक्स के समकक्ष भी रखा जाता है।

आधुनिक संस्करण दो खंडों में बंटे हैं: शम्स अल-मआरिफ अल-कुब्रा (बड़ा खंड) और अल-सुग़रा (छोटा खंड)। कुब्रा में उन्नत रूहानी अमल, जैसे रिज्क, प्रेम और हिफाजत के ताबीज शामिल हैं।

कई इस्लामी उलेमा और सरकारों का मानना है कि यह किताब लोगों को सिहर (जादू) की ओर खींचती है, जो क़ुरआन और हदीस के अनुसार बड़ा गुनाह माना जाता है, इसलिए इसे "वर्जित" या "खतरनाक" ग्रंथ कहा जाता है। सऊदी अरब जैसे कुछ गणतंत्रों और अन्य इस्लामी राज्यों में इस तरह की जादू-संबंधी किताबों पर सख्त पाबंदी है; कहा जाता है कि इन देशों में इस तरह की किताब रखने पर गंभीर सज़ा या जुर्म की धमकी दी जाती है। इसके अलावा कई लाइब्रेरियों और ऑनलाइन प्लेटफॉम में इस किताब को बंद या सीमित रखा गया है ताकि आम लोग आसानी से इसे न पढ़ें या इसके जादू-टोना वाले हिस्सों का दुरुपयोग न करें। सूफ़ी और रहस्यवादी दृष्टिकोण में भी कुछ बताते हैं कि यह किताब सिर्फ बहुत ऊँचे स्पिरिचुअल स्तर पर रहने वाले विशेष लोगों के लिए थी, लेकिन आम इंसानों के लिए यह गुमराही, भ्रम और दिमागी तनाव जैसे नुकसान भी लेकर आ सकती है।

शम्स अल-मआरिफ पर पाबंदी के पीछे दो बड़े कारण हैं:

धार्मिक/इस्लामी नज़रिया, और मनोवैज्ञानिक और सामाजिक खतरे।

1. धार्मिक कारण (क्यों "हराम" मानी जाती है?)- इस्लाम में जादू, तांत्रिक अमल और जिन्न को काबू में करने की हर तरीके को "सिहर" (जादू) कहा जाता है, जो क़ुरआन और हदीस के हिसाब से बड़ा गुनाह माना जाता है।

इस किताब में ऐसे फ़ॉर्मूले, अज़्मात, गुमनाम नाम और जिन्न को बुलाने-काबू में करने के तरीके हैं, जिसे उलेमा कहते हैं कि यह शैतानी ताक़तों से बातचीत जैसा है, इसलिए इसे "वर्जित" या "खतरनाक" किताब कहा गया है। इसलिए इस्लामी राज्यों (जैसे सऊदी अरब आदि) में ऐसी किताबों पर पाबंदी रखी जाती है ताकि लोग जादू की तरफ़ न जाएँ और अल्लाह पर भरोसा रखें।

2. मनोवैज्ञानिक और सामाजिक खतरे- कई लोगों का मानना है कि इस तरह की रहस्यमय किताबें पढ़ने से इंसान का दिमाग भ्रमित हो सकता है, डर बढ़ सकता है या वह अजीब-अजीब ख्यालों में फंस सकता है। इसलिए कुछ लाइब्रेरियाँ और सरकारें इस तरह की किताबों को आम जनता के लिए बंद रखती हैं या सीमित कर देती हैं, ताकि नौजवान या आम लोग इन्हें पढ़कर खुद को नुकसान न पहुँचाएँ। कुछ सूफ़ी और रहस्यवादी लोगों का मानना है कि यह किताब वास्तव में बहुत ऊँचा रूहानी ज्ञान देती है, लेकिन वह सिर्फ उनके लिए है जो बहुत ऊँचे आध्यात्मिक स्तर पर हैं और फ़कीरी-संयम में रहते हैं। सामान्य इंसानों के लिए यह खतरनाक मानी जाती है, क्योंकि उनके मन में शक्ति, पैसा या बदला लेने की इच्छा हो सकती है, जिससे किताब का दुरुपयोग हो सकता है।

जादू से बचने के तरीके- नमाज़ (सलाह) की पाबंदी रखो, खासकर फ़ज्र और मग़रिब की नमाज़। सुबह-शाम मुअव्वज़तैन (सूरह फलक और सूरह नास) और आयतुल कुर्सी पढ़ते रहो, यह जादू और शैतान से हिफ़ाज़त देती हैं। झूठे पीर, बाबा, जादू-टोना वालों और ताबीज़ वालों से दूर रहो, केवल अल्लाह, क़ुरआन और हदीस पर भरोसा करो।

2. शम्स अल-मआरिफ अल-सुग़रा (Shams al-Ma'arif al-Sughra)- इसे "छोटी शम्स अल-मआरिफ" कहा जाता है; यह भी उसी तरह की रहस्य-सूफ़ी विद्या पर आधारित है, लेकिन कुछ स्कोलर इसे थोड़ा छोटा या संक्षिप्त संस्करण मानते हैं।

3. "मुन्तख़ब अल-अवामिल व अल-अल्फ़ाज़" या इस तरह के अन्य रहस्य-उपाय-संग्रह-अल-बुनी के नाम से अलग-अलग "मुन्तख़ब", "अवामिल", "अल्फ़ाज़" आदि जैसी छोटी-बड़ी रचनाएँ भी मिलती हैं, जो अक्सर नाम-अक्षर-जादुई उपायों के संग्रह हैं। - ये ज़्यादातर हस्त-लिखित या छापे (फ़ोटोकॉपी) के रूप में चलती हैं और इनकी आधिकारिक लिस्ट बहुत साफ़ नहीं है, इसलिए "प्रमुख" की श्रेणी में सिर्फ दो शम्स अल-मआरिफ वाली रचनाएँ अधिक मान्यता प्राप्त हैं।

अल-बुनी की ये किताबें- सूफ़ी-रहस्यवादी दायरे में बहुत प्रभावशाली मानी जाती हैं, जहाँ अल्लाह के नामों के रहस्य और "इल्म अल-हुरूफ़" (अक्षर-विज्ञान) की चर्चा होती है।

- दूसरी ओर, इस्लामी शास्त्रीय दृष्टिकोण में ये किताबें जादू-टोना और शैतानी तरीकों से जुड़ी मानी जाती हैं, इसलिए उनकी रचनाओं को ज़्यादातर-सावधानी से और सीमित तौर पर इनकी चर्चा की जाती है, न कि इन्हें और इसकी जानकारी-पाठ्यक्रम के रूप में उपयोग करने के लिए।

अहमद अल-बूनी को लगभग 40 पुस्तकें लिखने का श्रेय दिया जाता है, जिनमें से अधिकांश आज भी अप्रकाशित हैं। इसके अतिरिक्त कई रहस्य-सूफ़ी और नाम-अक्षर-विद्या वाली रचनाएँ लिखीं, लेकिन उनके सभी ग्रंथ आम बुक-मार्केट में आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। इनकी कुछ पुस्तकों के नाम-मनबा उसूल अल-हिकमा-शम्स अल-मारिफ़ की सहचरी पुस्तक मानी जाती है। लताइफ़ अल-इशारात 1224 ई. में काहिरा में पूर्ण हुई; अरबी अक्षरों के गूढ़ गुणों पर 66 पन्नों की पांडुलिपि। किताब अल-कशफ-अक्षरों के विज्ञान (इल्म अल-हुरूफ) पर रचना; एक पांडुलिपि हार्वर्ड में उपलब्ध है। गायत अल-गायत-शपथों और प्रार्थनाओं (अक्साम व दवात) पर लिखी पुस्तक है।

अल-असरार अर-रब्बानियाह - जादुई वर्गों और वृत्तों का उपयोग करते हुए "दिव्य रहस्यों" पर लिखी एक पांडुलिपि है।

शरह इस्म अल्लाह अल-आज़म - अल्लाह के महानतम नाम की व्याख्या पर आधारित है। बेरहातियाह "प्राचीन जादू शपथ" के रूप में वर्णित है।

इस्लाम में स्पष्ट है कि इन रचनाओं के जादू-जैसे अमलों को सीखना, याद रखना या इन पर चलना हराम माना जाता है, चाहे ये रचनाएँ अल-बुनी की ही क्यों न हों।

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

भारतीय मुसलमान: चुनौतियाँ, आशा और भविष्य

भारत हमेशा से अपनी विविधता के लिए जाना जाता रहा है, जहाँ विभिन्न धर्म, संस्कृति और समुदाय एक साथ रहते हैं। इनमें मुसलमान सबसे बड़े अल्पसंख्यक समूहों में से एक हैं। हालाँकि, उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कई वर्षों से चिंता का विषय रही है। इस वास्तविकता को समझने का एक महत्वपूर्ण प्रयास सच्चर समिति की रिपोर्ट के माध्यम से किया गया, जो आज भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु है।

2005 में गठित सच्चर समिति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कई मुस्लिम बच्चे कम उम्र में ही स्कूल छोड़ रहे थे। साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से कम थी, और बहुत कम छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर पा रहे थे। कल्पना कीजिए एक ऐसे बच्चे की जिसे अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए कम उम्र में ही स्कूल छोड़ना पड़ता है। यह कई लोगों के लिए एक वास्तविकता थी, और आज भी है। शिक्षा के बिना, अवसर सीमित हो जाते हैं, और यह चक्र चलता रहता है।

मुस्लिमों में साक्षरता दर घटने के साथ, यह पाया गया कि वे अधिकतर अनौपचारिक नौकरियों में लगे हुए हैं, जैसे छोटी दुकानें, कार्यशालाएँ, दिहाड़ी मजदूरी आदि। यद्यपि इन नौकरियों में मेहनत और कौशल की आवश्यकता होती है, लेकिन अक्सर ये स्थिरता या दीर्घकालिक विकास प्रदान नहीं करती हैं। साथ ही, इसी कारण से सरकारी नौकरियों और औपचारिक क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति काफी कम थी। इस असंतुलन ने समुदाय के लिए आर्थिक रूप से ऊपर उठना कठिन बना दिया। इन सभी के कारण रिपोर्ट में "विकास अंतर" की बात कही गई है। सच्चर की रिपोर्ट के निष्कर्षों के बाद, सरकार ने इन अंतरों को दूर करने के लिए कई कदम उठाए। एक महत्वपूर्ण कदम अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को मजबूत करना था, जो अल्पसंख्यकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को तैयार करने और लागू करने वाला केंद्रीय निकाय बन गया। ये योजनाएँ मुख्य रूप से शिक्षा, कौशल, वित्तीय सहायता और बुनियादी ढाँचे पर केंद्रित हैं। समुदाय में साक्षरता बढ़ाने के उद्देश्य से, मंत्रालय ने मौजूदा छात्रवृत्ति योजनाओं को और मजबूत किया ताकि जरूरतमंद परिवारों तक इनकी पहुंच सुनिश्चित हो सके। स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की संख्या और उच्च शिक्षा में कम भागीदारी जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए, प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना और योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति योजना जैसी कई योजनाएं बनाई गईं, जिनमें बुनियादी शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। अल्पसंख्यक छात्रों के परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन, उद्यमियों द्वारा सफल व्यवसाय निर्माण, युवाओं के सरकारी सेवाओं और पेशेवर करियर में प्रवेश आदि की कई सकारात्मक कहानियां भी हैं। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि परिवर्तन संभव है। इसलिए, वास्तविक और स्थायी सुधार लाने के लिए संयुक्त प्रयास की आवश्यकता है, जिसमें उच्च और व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाए, प्रशिक्षण कार्यक्रमों को वास्तविक रोजगार बाजारों से जोड़ा जाए, सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी का प्रसार किया जाए और समुदायों के बीच विश्वास और सहयोग का निर्माण किया जाए। लक्ष्य केवल विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास है, जहां प्रत्येक नागरिक को सफलता का उचित अवसर मिले।

मदर्स डे: माँ के अटूट प्रेम और त्याग की सच्ची कहानी

माँ – यह शब्द सुनते ही मन में एक असीम स्नेह की लहर दौड़ जाती है। वह न केवल हमें जन्म देती है, बल्कि जीवन भर हमारा संरक्षक, मार्ग-दर्शक और प्रेरणा स्रोत बनी रहती है। मदर्स डे हर साल दुनिया भर में माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। भारत में यह 8 मार्च को इंटरनेशनल विमेंस डे के रूप में मनाया जाता है, लेकिन आधुनिक समय में मई के दूसरे रविवार को भी इसे उत्साह से सेलिब्रेट किया जाता है। यह दिन सिर्फ उपहारों या कार्ड्स का नहीं, बल्कि माँ के बलिदान को याद करने और उन्हें सम्मान देने का है।

मदर्स डे का इतिहास: प्राचीन काल से आधुनिक युग तक

मदर्स डे की जड़ें प्राचीन सभ्यताओं में मिलती हैं। प्राचीन ग्रीक और रोमन संस्कृति में साइबेले जैसी देवियों को मातृत्व की देवी माना जाता था। मिस्र में आइसिस को माँ के रूप में पूजा जाता था। लेकिन आधुनिक मदर्स डे की शुरुआत अमेरिका से हुई। 1908 में अन्ना जार्विस ने अपनी माँ अन्ना रीव्स जार्विस की याद में वेस्ट वर्जीनिया में पहला मदर्स डे आयोजित किया। अन्ना जार्विस एक सामाजिक कार्यकर्ता थीं, जिन्होंने गृहयुद्ध के दौरान माताओं को एकजुट किया था। 1914 में राष्ट्रपति वुड्रो विल्सन ने इसे राष्ट्रीय अवकाश घोषित कर दिया। भारत में आजादी के बाद, 8 मार्च को इंटरनेशनल विमेंस डे के रूप में मनाने की परंपरा शुरू हुई, जो माताओं के संघर्ष को रेखांकित करता है। बॉलीवड फिल्में जैसे 'मदर इंडिया' और 'नीरजा' ने माँ के त्याग को अमर कर दिया। मदर्स डे अब शहरी भारत में फूलों, केक और स्पेशल डिनर के साथ मनाया जाता है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में यह पारंपरिक रूप से रहता है।

माँ का त्याग: जीवन का आधार

माँ का प्रेम स्वार्थरहित होता है। गर्भावस्था के नौ महीनों से लेकर जीवन भर, वह अपना सब कुछ हमें समर्पित कर देती है। वह रातों को जागकर हमें सुलाती है, भूखी रहकर हमें खिलाती है और दर्द सहकर हमें हंसाती है। एक सर्वे के अनुसार, भारत में 70% माताएँ परिवार के लिए अपना करियर त्याग देती हैं। फिर भी, वे कभी शिकायत नहीं करतीं। मजहब ए इस्लाम में मां के कदमों तले जन्नत को बताया गया है, ओर पिता को जन्नत का दरवाजा बताया गया है।

भारतीय संदर्भ में माँ: चुनौतियाँ और सशक्तिकरण

भारत में मातृत्व एक चुनौतीपूर्ण यात्रा है। एनएफएचएस-5 रिपोर्ट के मुताबिक, 30% महिलाएँ प्रसव के बाद डिप्रेशन का शिकार होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषण, बाल विवाह और घरेलू हिंसा जैसी समस्याएँ बनी हुई हैं। कोविड-19 महामारी ने माताओं पर अतिरिक्त बोझ डाला – ऑनलाइन क्लासेस, काम और घरेलू जिम्मेदारियाँ। फिर भी, भारतीय माताएँ अद्भुत लचीलापन दिखाती हैं। सकारात्मक बदलाव भी हो रहे हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, मातृत्व लाभ योजना और पीएम सम्मान निधि ने माताओं को सशक्त बनाया। कल्पना चावला जैसी अंतरिक्ष यात्री से लेकर मैरीकॉम जैसी बॉक्सर तक, माताएँ अब सीमाएँ तोड़ रही हैं। मदर्स डे हमें याद दिलाता है कि माँ को केवल पूजना नहीं, बल्कि उनका सम्मान करना चाहिए – शिक्षा, स्वास्थ्य और समानता प्रदान करके।

माँ के बिना जीवन: एक भावुक यात्रा

जो बच्चे अनाथ हैं या माँ खो चुके हैं, उनके लिए मदर्स डे दर्द भरा होता है। फिर भी, वे माँ की यादों से प्रेरणा लेते हैं। एक कहानी याद आती है – एक गरीब लड़की ने अपनी माँ की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए आईएएस बनकर गाँव में स्कूल खोला। माँ का आशीर्वाद हर जगह है।

आज के डिजिटल युग में, सोशल मीडिया पर #Happy Mother Day# ट्रेंड करता है, लेकिन वास्तविकता में माताओं को समय की जरूरत है। व्यस्त जीवनशैली में हम भूल जाते हैं कि माँ का साथ अनमोल है। मदर्स डे हमें रुकने और सोचने का मौका देता है। मदर्स डे सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि जीवन भर की कृतज्ञता का प्रतीक है। माँ वह जड़ है जो हमें मजबूत बनाती है। आइए, इस दिन वादा करें कि हम उनका सम्मान करेंगे – न केवल शब्दों में, बल्कि कर्मों में।

दलित दूल्हे घोड़ी पर बैठने के अधिकार से वंचित क्यों ?

-बाबूलाल नागा

आधुनिक भारत में भी जातिगत भेदभाव की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका अंदाजा राजस्थान से आई ताजा घटना से लगाया जा सकता है। यह किसी एक गांव या जिले की कहानी नहीं, बल्कि उस बीमार मानसिकता का आईना है, जो आज भी बराबरी को स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

पिछले दिनों 29 अप्रैल को उदयपुर जिले के डबोक थाना क्षेत्र के हरियाव गांव में पूजा मेघवाल की बिंदौली को गांव के कुछ असामाजिक तत्वों ने न केवल रोका, बल्कि दुल्हन बनीं पूजा को घोड़ी से उतार दिया। बिंदौली में शामिल लोगों पर हमला किया गया, तलवारें लहराई गईं, जातिसूचक गालियां दी गईं और आगे बढ़ने पर खून-खराबे की धमकी तक दी गई—सिर्फ इसलिए कि उसने "हद पार" कर दी थी। उसकी हद क्या थी? घोड़ी पर बैठना। यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले वर्षों में भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं। अजमेर के विजय रैगर की बारात इसलिए चर्चा में रही क्योंकि उन्हें अपनी ही शादी में घोड़ी पर बैठने के लिए 200 पुलिसकर्मियों की सुरक्षा लेनी पड़ी। इसी तरह 19 फरवरी 2025 को जालोर में एक दलित दूल्हे को सिर्फ इसलिए पीटा गया क्योंकि वह घोड़ी पर बैठकर शादी करने जा रहा था। हालात इतने बिगड़े कि जिले के पुलिस अधीक्षक को खुद मौके पर पहुंचकर सुरक्षा में फेरे करवाने पड़े। 15 फरवरी 2025 को झुंझुनूं के गोविंदासपुरा गांव में दलित दूल्हे की बिंदौरी 4 थानों की पुलिस और 60 जवानों की सुरक्षा में निकाली गई। इससे पहले फरवरी 2022 में जयपुर के जयसिंहपुरा गांव में एक दलित आईपीएस अधिकारी की शादी में भी पूरे गांव को पुलिस छावनी बनाना पड़ा। अप्रैल 2021 में उदयपुर के गोगुंदा क्षेत्र में एक दलित पुलिस कांस्टेबल दूल्हे को घोड़ी चढ़ाने के लिए पुलिस जाब्ता तैनात करना पड़ा, जबकि नवंबर 2021 में उदयपुर

के सालेरा खुर्द गांव में दलित दूल्हे को बिंदौरी के दौरान पथराव कर जबरन घोड़ी से उतार दिया गया।

आंकड़े भी इस कड़वी सच्चाई की पुष्टि करते हैं। केंद्र सरकार की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में राजस्थान में दलितों के खिलाफ 8,651 मामले दर्ज किए गए—जो देश में दूसरे नंबर पर है। दलित दूल्हों को घोड़ी से उतारने की 81 प्रतिशत घटनाएं जांच में सही पाई गईं, जबकि दलित अत्याचार के 49.24 प्रतिशत मामलों की भी पुष्टि हुई। साल दर साल यह समस्या बनी हुई है। 2012 से 2023 तक हर वर्ष ऐसे मामले सामने आए, जहां दलित युवाओं का अपनी शादी में घोड़ी पर बैठने का सपना जातिवादी मानसिकता के कारण तोड़ दिया गया। 2012 में 2, 2013 में 4 और 2014 में सर्वाधिक 20 मामलों में दलित दूल्हों को रोका गया। इसके बाद 2015 में 18, 2016 में 16, 2017 में 16, 2018 में 9, 2019 में 7, 2020 में 7, 2021 में 9 और 2023 में 16 मामलों में दूल्हों को घोड़ी पर चढ़ने नहीं दिया गया। यानी हर साल दर्जनों दूल्हों को उनके इस बुनियादी सामाजिक अधिकार से वंचित किया जाता रहा है। सोचिए—2026 में भी यह "हक" छीना जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक सामाजिक परंपरा—घोड़ी पर बैठकर बारात निकालना—किसी समुदाय की "इज्जत" या "नाक" का सवाल कैसे बन जाती है? क्या घोड़ी पर बैठना किसी एक वर्ग का विशेषाधिकार है? क्या आज भी समाज का एक हिस्सा यह तय करेगा कि दूसरा हिस्सा कैसे जिए?

अब सवाल सरकार से भी है और समाज से भी—कब तक दलित दूल्हे अपनी ही शादी में डर के साए में जिएंगे? कब तक खुशियां पुलिस सुरक्षा में मनानी पड़ेंगी? और कब तक "ऊंच-नीच" के नाम पर इंसानियत को कुचला जाता रहेगा? सवाल सीधा है—क्या इस देश में घोड़ी पर बैठना भी जाति देखकर तय होगा?

यह सिर्फ एक रस्म का सवाल नहीं है। यह स्वाभिमान का सवाल है, बराबरी का सवाल है, इंसान होने के अधिकार का सवाल है। क्योंकि जब एक दलित दूल्हे को घोड़ी से उतारा जाता है, तो यह सिर्फ एक व्यक्ति का अपमान नहीं होता—यह बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर के उस सपने का अपमान है, जिसमें हर नागरिक को बराबरी का अधिकार मिला। यह उस संविधान का भी अपमान है, जो कागज पर तो सबको समान बताता है, लेकिन जमीन पर कुछ लोग खुद को "ऊपर" मानकर दूसरों को नीचे धकेलते रहते हैं।

कानून इस भेदभाव को स्पष्ट रूप से अपराध मानता है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम में 2015 के संशोधन के बाद किसी दलित को घोड़ी पर बैठने से रोकना दंडनीय अपराध है। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर कानून का प्रभाव कमजोर नजर आता है।

यह केवल कानून का सवाल नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का प्रश्न है। जब तक समाज में बराबरी, सम्मान और संवैधानिक मूल्यों की समझ मजबूत नहीं होगी, तब तक ऐसे अत्याचार रुकना मुश्किल है।

अब समय आ गया है कि सरकार कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित करे और समाज अपने भीतर झांके—उसे तय करना होगा कि वह समानता की ओर बढ़ना चाहता है या भेदभाव की उसी पुरानी अंधेरी गली में भटकता रहना चाहता है। **(लेखक भारत अपडेट के संपादक हैं)**

राजस्थान में 3,540 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग ने टीचिंग एसोसिएट्स (Raj-CES) 2026 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती अभियान के जरिए 3,540 पद भरे जाएंगे। 5 मई को अप्लाई लिंक एक्टिव होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। यह भर्ती कॉन्ट्रैक्चुअसल बेसिस पर की जाएगी।

आवेदन शुरू :
05 मई से 03 जून 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
NET/SLET/पीएचडी की डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल

फीस :
जनरल, ओबीसी : 600 रुपए
ओबीसी (NCL), ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी : 400 रुपए
पीडब्ल्यूडी : 400 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम के बेसिस पर

सैलरी :
28,850 रुपए प्रतिमाह

मिनिमम क्वालिफाइंग मार्क्स :
जनरल कैटेगरी : हर पेपर के लिए 36%
एससी, एसटी : हर पेपर में 5% का रिलैक्सेशन दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
एसएसओ पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर जाएं।
अपनी SSO ID और पासवर्ड से लॉग इन करें।
Recruitment Portal पर जाकर Teaching Associate Apply Link पर क्लिक करें।
यदि नए यूजर है तो वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) पूरा करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।

UPSSSC ने 170 पदों पर निकाली भर्ती, फीस 25 रुपए

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 170 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
09 जून से 29 जून 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की 12वीं या सरकार द्वारा उसके समकक्ष अन्य परीक्षा पास की हो।
वे ही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने पीईटी - 2025 एग्जाम पास की हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुषों की न्यूनतम ऊंचाई : 167.6 सेमी
सामान्य वर्ग की महिलाओं की न्यूनतम ऊंचाई : 160 सेमी
अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए न्यूनतम ऊंचाई : 152 सेमी
पुरुषों का सीना : न्यूनतम 84 सेमी (फुलाने पर) और रिजर्व कैटेगरी के लिए 82 सेंटीमीटर फुलाने पर हो।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
पीईटी स्कोर के बेसिस पर शॉर्टलिस्टिंग
रिटन एग्जाम
फिजिकल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

फीस :
सभी कैटेगरी के लिए : 25 रुपए

सैलरी:
21,700 - 69,100 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर "Live Advertisement" सेक्शन में संबंधित विज्ञापन पर क्लिक करें।
PET-2025 रजिस्ट्रेशन नंबर से लॉगिन करें।
आवेदन फॉर्म में जरूरी जानकारी भरें।
फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।

SSC ने स्टेनोग्राफर के 731 पदों पर निकाली भर्ती

स्टाफ सिलेक्शन कमीशन ने 731 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 16 मई 2026 है। वहीं आवेदन में करेक्शन के लिए 20 से 21 मई 2026 तक करेक्शन विंडो खुली रहेगी। नए पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) करना जरूरी है, क्योंकि पुराने प्लेटफॉर्म पर किया गया रजिस्ट्रेशन अब मान्य नहीं होगा।

आवेदन शुरू :
24 अप्रैल से 15 मई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
12वीं पास
स्टेनोग्राफी में एक्सपर्ट होना चाहिए।

एज लिमिट :
ग्रेड सी: 18 - 30 साल
ग्रेड डी: 18 - 27 साल
आयु की गणना 1 अगस्त 2026 के अनुसार की जाएगी।
आरक्षित वर्गों (SC, ST, OBC, PwBD और पूर्व सैनिक) को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

CRPF में 9175 पदों का नोटिफिकेशन जारी, अंतिम तिथि 19 मई

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) ने कॉन्स्टेबल (तकनीकी, ट्रेड्समैन और पायोनियर) के 9175 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत 20 अप्रैल से होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rect.crpf.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
20 अप्रैल से 19 मई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
कॉन्स्टेबल (ड्राइवर) : 10वीं पास के साथ हैवी ट्रांसपोर्ट व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए।
कुल तकनीकी ट्रेड्स में आईटीआई की डिग्री होना चाहिए।

एज लिमिट :
कॉन्स्टेबल (ड्राइवर) : 21 - 27 साल
अन्य सभी : 18 - 23 साल
सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 100 रुपए
महिला, एक्स सर्विसमैन : निःशुल्क

सैलरी :
21,700 - 60,100 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट (PET)
फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट (PST)
कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT)
ट्रेड स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rect.crpf.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर Recruitment सेक्शन में क्लिक करें।
ऑनलाइन आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
मांगी गई सभी डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डाक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
फीस का भुगतान करके फॉर्म सब्मिट कर दें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

एम्स में 119 पदों पर निकली भर्ती, एज लिमिट 58 साल

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), ऋषिकेश ने फैकल्टी के पदों पर भर्ती निकाली है।उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट aiimsrishikesh.edu.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
18 अप्रैल से 18 मई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
प्रोफेसर :
संबंधित विषय में MD/MS या DM/M.Ch (सुपर स्पेशलिटी)।
नॉन-मेडिकल उम्मीदवार : मास्टर डिग्री के साथ पीएचडी।
MD/MS के बाद 14 साल का अनुभव या DM/M.Ch के बाद 11-12 साल का अनुभव।
एडिशनल प्रोफेसर :
संबंधित विषय में MD/MS या DM/M.Ch (सुपर स्पेशलिटी)।
नॉन-मेडिकल उम्मीदवार : मास्टर डिग्री के साथ पीएचडी।
MD/MS के बाद 14 साल का अनुभव या DM/M.Ch के बाद 7 - 8 साल का अनुभव।
एसोसिएट प्रोफेसर :
संबंधित विषय में MD/MS या DM/M.Ch (सुपर स्पेशलिटी)।
MD/MS के बाद 6 साल का अनुभव या DM/M.Ch के बाद 3-4 साल का अनुभव।
असिस्टेंट प्रोफेसर :
संबंधित विषय में MD/MS या DM/M.Ch (सुपर स्पेशलिटी)।
MD/MS के बाद 3 साल का अनुभव।
DM/M.Ch के बाद वर्क एक्सपीरियंस जरूरी नहीं है।

एज लिमिट :
पद के अनुसार, अधिकतम 50 - 58 साल
एससी, एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट

फीस :
सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 3000 रुपए
एससी/एसटी : 500 रुपए
पीडब्ल्यूबीडी : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट
इंटरव्यू के बेसिस पर

सैलरी :
प्रोफेसर : 1,68,900-2,20,400 रुपए प्रतिमाह
एडिशनल प्रोफेसर : 1,48,200-2,11,400 रुपए प्रतिमाह
एसोसिएट प्रोफेसर : 1,38,300-2,09,200 रुपए प्रतिमाह
असिस्टेंट प्रोफेसर : 1,01,500-1,67,400 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट aiimsrishikesh.edu.in पर जाएं।
होमपेज पर जॉब/रिक्रूटमेंट टैब पर क्लिक करें।
फॉर्म भरें और फीस का भुगतान करें।

रेलवे में 1644 पदों पर भर्ती, बिना एग्जाम, इंटरव्यू के सिलेक्शन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) में अप्रेंटिसशिप के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से अप्रेंटिस के 1644 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस भर्ती की जॉब लोकेशन रायपुर, छत्तीसगढ़ होगी।

आवेदन शुरू :
05 मई से 04 जून 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास, आईटीआई की डिग्री।

एज लिमिट :
अधिकतम : 24 साल
एससी, एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

सैलरी :
रेलवे अप्रेंटिस नियमों के अनुसार

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.apprenticeshipindia.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर Recruitment सेक्शन पर क्लिक करें।
अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें।
जरूरी डाक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।
आवेदन फॉर्म फाइनल सब्मिट कर दें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

इंडियन एयरफोर्स में 47 पदों पर भर्ती

इंडियन एयर फोर्स ने ग्रुप सी सिविलियन के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट indianairforce.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
02 मई से 31 मई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
लोअर डिवीजन क्लर्क : 12वीं के साथ टाइपिंग
हिंदी टाइपिस्ट : 12वीं के साथ टाइपिंग
ड्राइवर : 10वीं पास, हैवी मोटर व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस, 2 साल तक का अनुभव

एज लिमिट :
न्यूतम : 18 साल
अधिकतम : 25 साल

सैलरी :
लेवल - 2 के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :
इंडियन एयरफोर्स की ऑफिशियल वेबसाइट indianairforce.nic.in पर जाएं।
होम पेज पर मौजूद रिक्रूटमेंट सेक्शन पर क्लिक करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) **(रणनीति)**

61. 1857 की क्रांति के दौरान 'कानपुर' के नेता कौन थे?
(A) नाना साहेब (B) तात्या टोपे
(C) बहादुर शाह(D) अहमद शाह
उत्तर: (A)
व्याख्या: नाना साहेब कानपुर के नेतृत्वकर्ता थे और तात्या टोपे उनके सेनापति थे।

62. 1857 के विद्रोह को अंग्रेज इतिहासकारों ने क्या कहा?
(A) प्रथम स्वतंत्रता संग्राम
(B) सैनिक विद्रोह (C) महान युद्ध
(D) सामाजिक सुधार
उत्तर: (B)
व्याख्या: अंग्रेज इतिहासकार इसे "सिपाही विद्रोह" कहते थे, जबकि भारतीय इतिहासकार इसे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मानते हैं।

63. 1858 में भारत शासन का अधिकार ईस्ट इंडिया कंपनी से किसे मिला?
(A) ब्रिटिश संसद
(B) ब्रिटिश ताज (क्राउन)
(C) गवर्नर जनरल
(D) ईस्ट इंडिया एसोसिएशन
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1858 ई. में ब्रिटिश संसद ने भारत का शासन ईस्ट इंडिया कंपनी से लेकर ब्रिटिश क्राउन को दे दिया।

64. 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' की स्थापना कब हुई?
(A) 1885 ई. (B) 1889 ई.
(C) 1890 ई. (D) 1905 ई.
उत्तर: (A)
व्याख्या: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 1885 में ए. ओ. ह्यूम द्वारा की गई थी।

65. कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन कहाँ हुआ था?
(A) कलकत्ता (B) बंबई
(C) इलाहाबाद (D) लखनऊ
उत्तर: (B)
व्याख्या: कांग्रेस का पहला अधिवेशन दिसंबर 1885 में बंबई में हुआ, जिसकी अध्यक्षता डब्ल्यू. सी. बनर्जी ने की।

66. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उद्देश्य प्रारंभ में क्या था?
(A) स्वतंत्रता प्राप्त करना
(B) ब्रिटिश सरकार से सुधारों की मांग
(C) सशस्त्र संघर्ष (D) विभाजन
उत्तर: (B)
व्याख्या: प्रारंभ में कांग्रेस का उद्देश्य ब्रिटिश शासन के भीतर सुधारों की मांग करना था।

67. 'बंगाल विभाजन' कब हुआ था?
(A) 1903 ई. (B) 1905 ई.
(C) 1907 ई. (D) 1911 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: लॉर्ड कर्ज़न ने 1905 में बंगाल का विभाजन किया जिससे व्यापक विरोध हुआ।

68. 'स्वदेशी आंदोलन' की शुरुआत किसने की?
(A) बाल गंगाधर तिलक
(B) लाला लाजपत राय
(C) बिपिन चंद्र पाल
(D) उपर्युक्त सभी
उत्तर: (D)
व्याख्या: तिलक, लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल ने मिलकर स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन का नेतृत्व किया।

69. '1907 के सूरत अधिवेशन' में क्या हुआ था?
(A) बंगाल विभाजन का विरोध
(B) कांग्रेस में गरमदल–नरमदल का विभाजन
(C) नई मांगें
(D) संविधान का प्रस्ताव
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1907 के सूरत अधिवेशन में कांग्रेस दो गुटों — गरमदल और नरमदल — में विभाजित हो गई।

70. 'मुस्लिम लीग' की स्थापना कब हुई थी?
(A) 1905 ई. (B) 1906 ई.
(C) 1907 ई. (D) 1911 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: मुस्लिम लीग की स्थापना 1906 में ढाका में नवाब सलीमुल्ला खान के नेतृत्व में हुई।

71. 'मिंटो-मॉर्ले सुधार' कब हुए?
(A) 1907 ई. (B) 1909 ई.
(C) 1911 ई. (D) 1916 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1909 के मिंटो-मॉर्ले सुधारों से पहली बार पृथक निर्वाचन प्रणाली (Separate Electorates) लागू हुई।

72. 'होम रूल आंदोलन' का नेतृत्व किसने किया?
(A) एनी बेसेन्ट
(B) बाल गंगाधर तिलक
(C) दोनों (D) गांधीजी
उत्तर: (C)
व्याख्या: एनी बेसेन्ट और बाल गंगाधर तिलक ने 1916 में होम रूल आंदोलन चलाया।

73. 'लखनऊ समझौता' कब हुआ?
(A) 1909 ई. (B) 1916 ई.
(C) 1919 ई. (D) 1920 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1916 में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौता हुआ था।

74. गांधीजी भारत कब लौटे?
(A) 1914 ई. (B) 1915 ई.
(C) 1916 ई. (D) 1917 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: गांधीजी 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे और स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए।

75. गांधीजी का पहला सत्याग्रह आंदोलन भारत में कहाँ हुआ?
(A) चंपारण (B) खेड़ा
(C) अहमदाबाद (D) बारडोली
उत्तर: (A)
व्याख्या: गांधीजी ने 1917 में बिहार के चंपारण में नील किसानों के लिए पहला सत्याग्रह आंदोलन चलाया।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

गर्मियों में दिन में सोना: राहत भी, पर सावधानी ज़रूरी!

- ***आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से समझें कब ज़रूरी है झपकी और कब नुकसानदेह हो सकती है***

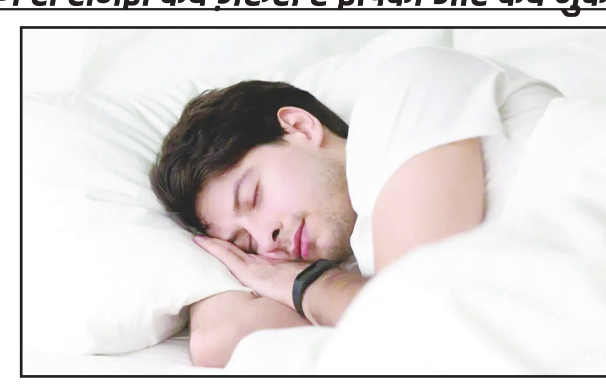

आयुर्वेद में दिन के समय सोने या झपकी लेने की अवस्था को दिवस्वप्न कहा जाता है। आम तौर पर आयुर्वेद दिन में सोने की सलाह नहीं देता, क्योंकि इससे शरीर का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ सकता है। विशेष रूप से दोपहर के भोजन के बाद झपकी लेने से पाचन अग्नि धीमी पड़ती है और शरीर में कफ दोष बढ़ जाता है। यह स्थिति अपच, भारीपन, एलर्जी, और रात की नींद में बाधा जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है।

गर्मियों में क्यों दी जाती है झपकी की अनुमति?

गर्मियों में वातावरण गर्म और सूखा होता है, जिससे शरीर की उष्मा (तापमान) बढ़ जाती है। ऐसे में शरीर खुद को ठंडा रखने के लिए अधिक ऊर्जा खर्च करता है। आयुर्वेद के अनुसार इस मौसम में कफ दोष में प्राकृतिक कमी आती है, और थोड़ी देर की झपकी शरीर को शीतलता और ऊर्जा देती है। आयुर्वेदिक के अनुसार, गर्मियों में दोपहर में सोना थकावट और ऊष्मा से राहत देता है। यह शरीर की कार्यक्षमता को बहाल करता है और मानसिक तनाव को भी कम करता है — बशर्ते सही परिस्थितियों में और सीमित समय के लिए सोया जाए।

किन लोगों को गर्मियों में दिन में सोना चाहिए?

आयुर्वेद के अनुसार, कुछ विशेष परिस्थितियों में दिन में झपकी लेना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है:

बुजुर्ग और बच्चे – शरीर की ऊर्जा कम होती है, इसलिए दिन में विश्राम ज़रूरी है।
बहुत दुबले-पतले या कमज़ोर लोग – जिन्हें थकान जल्दी लगती है।
बीमारी से उबर रहे व्यक्ति – जैसे एनीमिया, डायरिया, बुख़ार आदि।
लंबी यात्रा या भारी शारीरिक श्रम के बाद – शरीर को आराम की आवश्यकता होती है।
मानसिक रूप से परेशान लोग – डर, गुस्सा या चिंता से ग्रस्त लोगों के लिए विश्राम लाभकारी हो सकता है।

किन लोगों को दिन में सोने से बचना चाहिए?

कुछ लोगों या स्थितियों में दोपहर की नींद से नुकसान हो सकता है:

भोजन के तुरंत बाद सोना – इससे अपच और भारीपन हो सकता है।
स्थूल (मोटे) व्यक्ति – कफ दोष बढ़ाकर थकावट और सुस्ती बढ़ा सकता है।
सांस या एलर्जी की समस्या वाले लोग – जैसे एलर्जिक रायनाइटिस, अस्थमा आदि।
नींद संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लोग – जिन्हें रात में नींद नहीं आती या नींद बार-बार टूटती है।
माइग्रेन या बार-बार सिरदर्द वाले लोग – दिन में नींद से सिरदर्द बढ़ सकता है।

दिन में सोने के संभावित नुकसान

पाचन तंत्र पर प्रभाव – अपच, गैस, भारीपन
सिरदर्द, माइग्रेन और थकावट
एलर्जी और गले की समस्या
रात की नींद में बाधा
आलस्य और सुस्ती बढ़ना

सावधानी बरतें, लाभ पाएं

अगर आप गर्मियों में दिन में झपकी लेना चाहते हैं, तो इन बातों का ध्यान ज़रूर रखें:

झपकी का समय 30–45 मिनट से ज़्यादा न हो
भोजन के कम से कम 1 घंटे बाद सोएं
ठंडी और हवादार जगह पर विश्राम करें
बहुत गहरी नींद में न जाएं, बस शरीर को आराम दें
कोई बीमारी हो तो चिकित्सकीय सलाह ज़रूर लें

गर्मियों में दिन में सोना आयुर्वेद के अनुसार फायदेमंद हो सकता है — लेकिन सिर्फ़ विशेष परिस्थितियों में और सावधानी के साथ। यह शरीर को ठंडक, ऊर्जा और मानसिक राहत देता है। परंतु याद रखें, हर व्यक्ति की शारीरिक प्रकृति और ज़रूरतें अलग होती हैं। इसलिए दिवस्वप्न को आदत बनाने से पहले शरीर के संकेतों को समझें और संतुलन बनाए रखें।

भविष्य में हाई पेइंग जॉब्स के लिए जरूरी AI स्किल्स: "अपने करियर को भविष्य के लिए तैयार करें"

जॉब मार्केट तेजी से बदल रहा है और इस बदलाव के साथ तालमेल बिठाने के लिए हमें खुद को लगातार अपडेट करते रहना जरूरी है। आजकल ज्यादातर जॉब्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल हो रहा है और कई संस्थान AI से जुड़े कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। आने वाले सालों में AI की बेसिक जानकारी हर किसी के लिए जरूरी हो जाएगी। करियर में ग्रोथ और बेहतर सैलरी के लिए आप भी AI स्किल्स सीख सकते हैं। हर प्रोफेशनल अपनी करियर ग्रोथ और सैलरी इंक्रीमेंट के लिए मेहनत करता है, लेकिन इसके लिए टेक्निकली अपडेट रहना भी जरूरी है। जो लोग समय के साथ अपडेट नहीं होते, वे करियर में पिछड़ जाते हैं। 2026 तक हाई-पेइंग जॉब्स के लिए 10 AI स्किल्स की जानकारी जरूरी हो जाएगी।

आइए जानते हैं इन स्किल्स के बारे में:

1. जनरेटिव AI (Generative AI)
यह एक बेहद उपयोगी स्किल है जो बिजनेस के प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए AI टूल्स का इस्तेमाल करती है। जनरेटिव AI में अपस्किलिंग से आप अन्य जरूरी AI स्किल्स का लाभ भी उठा सकते हैं। यह स्किल AI की दुनिया में एक शुरुआत है, इसलिए इसे सीखना महत्वपूर्ण है।

2. AI-Powered Language Learning
आज के ग्लोबल करियर में कई भाषाओं की जानकारी होने से आपको नए अवसर मिल सकते हैं। AI टूल्स जैसे रोलप्ले और क्विज जनरेशन की मदद से नई भाषाएँ आसानी से सीखी जा सकती हैं, जो आपके करियर को एक्सपैंड कर सकती हैं।

3. AI Data Analysis
डेटा एनालिसिस आज किसी भी बिजनेस के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। AI की मदद से बड़े डेटा सेट्स को एनालाइज करना और मार्केट की समझ हासिल करना आसान हो जाता है। AI टूल्स के साथ, अब डेटा एनालिसिस को चुटकियों में किया जा सकता है, जिससे स्मार्ट डिसीजन लेना आसान होता है।

4. AI-Assisted Coding
AI ने कोडिंग को भी आसान बना दिया है। अब आपको कंप्यूटर साइंस की डिग्री या सालों तक अभ्यास करने की जरूरत नहीं है। ChatGPT और Claude जैसे AI टूल्स से आप कोडिंग कर सकते हैं और कोड को डिबग भी कर सकते हैं। साथ ही, आप AI टूल्स की मदद से नो-कोड ऐप्स भी बना सकते हैं।

5. AI-Powered Soft Skills and Emotional Intelligence
सॉफ्ट स्किल्स और इमोशनल इंटेलिजेंस की मदद से करियर में सफलता मिल सकती है। AI कोचिंग प्लेटफॉर्म्स पर्सनलाइज्ड रोल-प्लेइंग सीन क्रिएट करते हैं, जिससे आप कठिन संवादों की प्रैक्टिस कर सकते हैं और AI से फीडबैक प्राप्त कर सकते हैं, जिससे आपकी इमोशनल इंटेलिजेंस में सुधार होता है। इन AI स्किल्स से आप किसी भी फील्ड में अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस दे सकते हैं और अपनी करियर ग्रोथ को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं। AI को समझना और इन स्किल्स को सीखना आपके लिए भविष्य में बेहद फायदेमंद साबित होगा।

जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित

-पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी बने जिला महासचिव

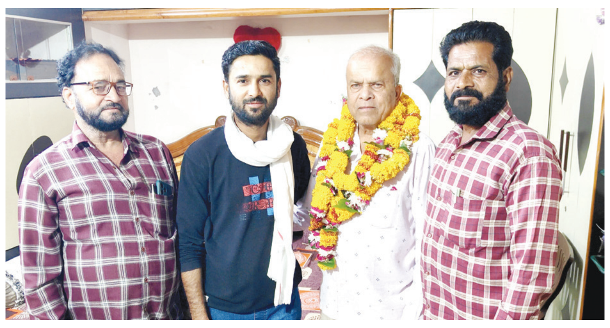

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला कांग्रेस कमेटी बारां की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। कार्यकारिणी में नगर परिषद बारां के पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी को महासचिव, अंता नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन मुस्तफा खान को उपाध्यक्ष तथा पूर्व सरपंच महफूज अली सैय्यद को महासचिव नियुक्त किए जाने पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाइयां दीं। इस अवसर पर हाजी अब्दुल गनी के निवास पर मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष शेख बहादुर अली, अंजुमन इत्तिहाद-ए-बाहमी के सदर आबिद हुसैन अंसारी तथा जिला कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी ने पहुंचकर फूल-मालाओं से स्वागत कर इस्तकबाल किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि संगठन में अनुभवी एवं सक्रिय नेताओं को जिम्मेदारी मिलने से कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगी तथा आमजन के कार्यों को गति मिलेगी। इस दौरान अन्ता-मांगरोल विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया तथा पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हंसराज मीणा का आभार व्यक्त किया गया।

बजट घोषणा के लंबित मामलों में लाएं प्रगति - प्रभारी मंत्री देवासी

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राज्यमंत्री ग्रामीण विकास, पंचायतीराज, आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक विभाग व जिला प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी ने शनिवार को राज्य सरकार के बजट घोषणा के कार्यों में प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशा विकास की धारा अंतिम छोर तक पहुंचाने की है। इसके लिए बजट में घोषित कार्यों को संवेदनशीलता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। जिन कार्यों में अभी तक अपेक्षित लक्ष्य प्राप्त नहीं हुए हैं उन पर विशेष ध्यान देते हुए प्रगति सुनिश्चित करें। प्रभारी मंत्री ने इस दौरान ग्रीष्मकाल को देखते हुए पेयजल व विद्युत की सुचारू आपूर्ति के निर्देश दिए तथा चिकित्सा एवं सड़कों की स्थिति को लेकर भी जानकारी ली। साथ ही जिले में चल रहे ग्राम रथ अभियान में आमजन तक सरकार की योजनाओं की जानकारी व लाभ पहुंचाने को कहा। प्रभारी मंत्री देवासी ने मिनी सचिवालय सभागार में आयोजित बैठक में कहा कि सभी विभाग त्वरितता के साथ बजट घोषणाओं के लक्ष्यों को पूरा करने के प्रति संवेदनशील रहें। उन्होंने कहा कि जिले के विकास व आमजन के हित में की गई बजट घोषणाओं के लक्ष्यों को समयबद्ध व शत प्रतिशत पूरा करते हुए उपलब्धि प्राप्त की जाए। बैठक में उन्होंने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सड़क, बिजली एवं पेयजल से संबंधित समस्याओं के पर्यवेक्षण

एवं समाधान के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किए। प्रभारी मंत्री ने बैठक में आगामी ग्रीष्मकाल के दौरान जिले में पेयजल की सुचारू आपूर्ति को लेकर जलदाय विभाग के अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने को कहा। साथ ही जिले में एलपीजी की उपलब्धता व वितरण के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को आमजन की समस्या को लेकर आने वाले फोन-कॉल भी प्राथमिकता से रिसीव करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम रथ अभियान के सफल आयोजन के लिए प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। अभियान के माध्यम से लोगों को अपने बीच सरकार की मौजूदगी का अहसास हो और जनता के साथ सीधा जुड़ाव स्थापित हो। बैठक में किशनगंज विधायक ललित मीणा ने क्षेत्रीय बिजली-पानी की समस्याओं से प्रभारी मंत्री को अवगत कराते हुए निराकरण का आग्रह किया। बैठक में जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा, एसपी राजेश चौधरी, सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, एसडीएम विश्वजीत सिंह, बारां प्रधान मोरपाल सुमन, नरेश सिकरवार, जगदीश मीणा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

क्या सरकार फिर किसी बड़े हादसे का कर रही है इंतजार

बारां-मांगरोल स्टेट हाईवे की बदहाली पर विधायक प्रमोद जैन भाया ने लिखा पीडब्ल्यूडी मंत्री को तीखा पत्र

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां-मांगरोल स्टेट हाईवे की जर्जर स्थिति, निर्माण कार्य में हो रही अत्यधिक देरी तथा लगातार बढ़ रही जनसमस्याओं को लेकर अन्ता विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री प्रमोद जैन 'भाया' ने राजस्थान की उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दीया कुमारी को तीखा पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। विधायक भाया ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सड़क निर्माण कार्य को गति नहीं दी गई और सड़क के गड्ढे नहीं भरवाए गए तो जनता का आक्रोश सड़कों पर उतरने से कोई नहीं रोक पाएगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी सरकार एवं विभाग की होगी। विधायक भाया ने पत्र में उल्लेख किया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा वर्ष 2021-22 के बजट में 125 करोड़ रुपये की लागत से इस महत्वपूर्ण सड़क की स्वीकृति दी गई थी, लेकिन भाजपा सरकार के ढाई वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद भी निर्माण कार्य प्रभावी रूप से शुरू नहीं हो पाया। भाया ने कहा कि बारां-मांगरोल सड़क जिले की जीवनरेखा है, जिससे प्रतिदिन हजारों लोग आवागमन करते हैं। सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि 28 किलोमीटर की दूरी तय करने में डेढ़ घंटे तक का समय लग रहा है। जगह-जगह गड्ढों के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और आमजन परेशान हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता की पीड़ा को नजरअंदाज कर रही है। विधायक भाया ने पत्र में हाल ही में बारां शहर में हुई दर्दनाक दुर्घटना का भी उल्लेख किया, जिसमें सड़क पर गड्ढों के कारण स्कूटी पलटने से एक मां के सामने उसके दो मासूम बच्चों की ट्रैक्टर के नीचे दबकर मौत हो गई थी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकार बारां-मांगरोल सड़क पर भी ऐसी ही किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सरकार हर बार हादसे के बाद ही जागती दिखाई देती है। भाया ने कहा कि उनके द्वारा विधानसभा में मुद्दा उठाने और मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में मामला लाने के बाद केवल औपचारिक रूप से माह अप्रेल 2026 में काम शुरू किया गया, लेकिन आज भी कार्य "कछुआ चाल" से चल रहा है। अभी तक मुख्य सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ है और केवल बायपास पर सीमित कार्य किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो वे स्वयं जनता के साथ सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। विधायक भाया ने इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी पत्र की प्रतिलिपि प्रेषित की है।

दरगाह बाबा पठान साहब के सदर बने शेरू पठान

बारां (रॉयल पत्रिका) । दरगाह बाबा पठान साहब पर शुक्रवार शाम को एक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें उर्स की तारीख तय करने और नए सदर की नियुक्ति को लेकर चर्चा की गई। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से शेरू पठान (डीजे) को उर्स कमेटी का सदर बनाया गया, जिसपर बैठक में मौजूद सदस्यों ने मिठाई खिलाकर माला पहनाकर मुबारकबाद दी। बैठक में उर्स की तैयारियों, व्यवस्थाओं, अनुशासन सहित विभिन्न जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा हुई और सभी सदस्यों ने सहयोग करने का भरोसा दिलाया। उर्स कमेटी में सरपरस्त जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, पूर्व सदर मोहम्मद जफर अंसारी, मोईन बाबा, सलाम बाबा, एडवोकेट फिरोज खान को बनाया गया। जुगनू भाई को सेकेट्री और मास्टर जाहिद हुसैन को खजांची बनाया गया। इस दौरान पंचायत शाह समाज के सदर माशूक अली चिश्ती, नासिर खान बंटी, मुन्ना बाबा, मास्टर खलील, नासिर, मोहम्मद आबिद देशवाली, शोएब अख्तर, असलम राजा, मो. गुड्डू, फिरोज मंसूरी, गोलू पठान, मो. गुलज़ार, इकबाल लाईट, मोनू लाईट, निसार अहमद, अनस चिश्ती, शेखू खान, भीमा सुमन, कालू मिस्त्री, आदिल जिशान आदि मौजूद रहे।

हज के पाक व मुकद्दस सफर पर 13 मई को रवाना होंगे पूर्व अंजुमन सदर माजिद सलीम

-दुआओं की दरख्वास्त के साथ इस्तकबाल का सिलसिला जारी

बारां (रॉयल पत्रिका) । हज 2026 के तहत हज के पाक व मुकद्दस सफर पर पूर्व अंजुमन सदर माजिद सलीम बुधवार 13 मई को दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सऊदी अरब के लिए रवाना होंगे। उनके हज पर जाने की खबर से उनके परिचितों, परिवारजनों और बस्ती वालों के द्वारा उनके इस्तकबाल का सिलसिला लगातार जारी है। जिला वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी, अंजुमन सदर मन्नू पठान, पूर्व वक्फ कमेटी चेयरमैन साजिद सलीम, समाजसेवी विनोद अदलक्खा, सुरेश गोयल, डॉक्टर मुश्ताक अहमद अंसारी, वरिष्ठ नेता हाजी वहीद बर्तन वाले, रईस खान, राजू खान बर्तन वाले,

जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व सदस्य मोहम्मद रफीक (मीठीया), इकबाल नेता, शेख बहादुर, डॉक्टर हाजी अब्दुल रशीद, खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी, हाड़ौती एजुकेशनल एंड वेल्फेयर सोसायटी सहित विभिन्न संस्थाओं ओर लोगों ने घर पहुंच कर माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल किया और हज के दौरान उनसे मुल्क में अमन चैन ओर खुशहाली की दुआ की दरखास्त की।

नव पदस्थापित जिला कलक्टर ने संभाली कमान

ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य एवं पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु जिले भर में वृहद निरीक्षण अभियान

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । नव पदस्थापित जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा द्वारा कार्यभार ग्रहण करते ही जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से आमजन को राहत दिलाने के लिए त्वरित कदम उठाए गए। जिला कलक्टर के निर्देश पर 8 एवं 9 मई 2026 को जिले भर में स्वास्थ्य सेवाओं एवं पेयजल व्यवस्था की जमीनी हकीकत परखने के लिए एक साथ दो वृहद निरीक्षण अभियान चलाए गए।

स्वास्थ्य ढांचे को किया गया अलर्ट: 246 चिकित्सा केंद्रों का औचक निरीक्षण

जिला कलक्टर असावा के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में गठित टीमों द्वारा जिला अस्पताल से लेकर उप-स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक कुल 246 चिकित्सा संस्थानों का सघन औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रीष्मकाल में संभावित रोगों एवं लू-तापघात की स्थिति से निपटने के लिए सभी केंद्रों को पूर्ण रूप से तैयार रखना था। निरीक्षण के दौरान दवाओं की उपलब्धता, पेयजल व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, स्टाफ की उपस्थिति एवं आपातकालीन सेवाओं का जायजा लिया गया। सभी चिकित्सा प्रभारियों को लू, ए फ्लूइड एवं जीवनरक्षक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने तथा 24×7 अलर्ट मोड पर रहने के सख्त निर्देश दिए गए। सीएमएचओ ने स्पष्ट किया कि निरीक्षण में मिली कमियों को 48 घंटे में दूर कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

हर बूंद कीमती: पेयजल संकट पर प्रहार, 5700 हैंडपंपों का सर्वेक्षण

जिला कलक्टर के निर्देश पर जिले के समस्त उपखंडों में उपखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा एवं बारां शहर के समस्त वार्डों में जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा पेयजल आपूर्ति का गहन सर्वेक्षण कराया गया। सर्वेक्षण में जिले के लगभग 5700 हैंडपंपों एवं सिंगलफेज नलकूपों की जांच की गई, जिसमें करीब 650 हैंडपंप बंद पाए गए। सबसे विकट स्थिति किशनगंज एवं शाहबाद उपखंड में देखने को मिली, जहाँ अधिकांश ग्रामों में जलापूर्ति हैंडपंपों पर ही निर्भर है। जलस्तर गिरने से सूखे हैंडपंप वाले 46 ग्रामों एवं 04 ढाणियों में 18 टैंकरों के माध्यम से प्रतिदिन 109 ट्रिप से जल परिवहन तत्काल प्रारंभ कर दिया गया है। शहरी क्षेत्र में वार्ड संख्या 13 की डंडासोतियां बस्ती में नाला निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को तुरंत ठीक कराने के निर्देश दिए गए। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को बंद पड़े सभी हैंडपंपों को हैंडपंप अभियान के तहत युद्धस्तर पर ठीक करने एवं समरकंटीजेंसी के तहत स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए पाबंद किया गया है।

त्वरित कार्रवाई एवं निर्देश

जिला कलक्टर ने पेयजल शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष को और अधिक सक्रिय करने तथा 181 पर दर्ज शिकायतों का 24 घंटे में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिेए।

उन्होंने कहा कि परवन अकावद वृहद पेयजल परियोजना के कार्यों में तेजी लाकर जिले में पेयजल संकट का स्थाई समाधान किया जाएगा। नव पदस्थापित जिला कलक्टर द्वारा कार्यभार संभालते ही स्वास्थ्य एवं पेयजल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर एक साथ वृहद स्तर पर निरीक्षण कराकर जनोन्मुखी प्रशासन का स्पष्ट संदेश दिया गया है। जिला प्रशासन की प्राथमिकता आमजन को मूलभूत सुविधाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध कराना है।

मुकंदरा की टनल से निकल रहा लाखों लीटर पानी

-एनएचएआई की ताकली बांध में छोड़ने की योजना

डॉ. तोहिद

सुकेत/जगपुरा/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली-मुंबई के तहत मुकंदरा टाइगर रिजर्व में बन रही 8-लेन टनल में हर दिन सीपेज का लाखों लीटर पानी निकल रहा है। एनएचएआई की इस पानी को ड्रेनेज के जरिए ताकली बांध में ले जाने की योजना है। हालांकि, केवल टनल की ट्यूब-2 का निर्माण कार्य पूरा नहीं होने से इसका पानी अमझार नदी में बहाया जा रहा है। इसके पूरा होने के बाद इसका पानी भी ताकली बांध में ले जाने की योजना है। एनएचएआई के अधिकारियों के अनुसार यह सामान्य प्रक्रिया है, क्योंकि टनल की खुदाई के दौरान उसमें सीपेज का पानी निकलना आम बात है। इधर, मंडाना क्षेत्र के लोगों की मांग है कि इस पानी का उपयोग मंडाना क्षेत्र के लिए योजना बनाकर कर सकते हैं। दिल्ली-मुंबई 8 लेन पर मुकंदरा क्षेत्र में बन रही टनल से निकलता पानी। कंटेंट-सूर्यप्रकाश मेवाड़ा, फोटो-नितेश कुमार टाइगर रिजर्व की पहाड़ियों के नीचे सैकड़ों जलस्त्रोत मौजूद हैं। जब टनल की खुदाई की गई तो इसके कई जलस्त्रोत फूट गए थे। इससे हर दिन हजारों लीटर पानी

निकल रहा है। इसे निर्माण एजेंसी 10 इंच की पाइपलाइन के जरिए अमझार नदी में बहा रही है। हालांकि यह केवल ट्यूब-2 चेंबर से गोपालपुरा का पानी है। क्योंकि, यह टनल बनकर तैयार नहीं हुई। जल संसाधन विभाग इस पूरे मामले से अब तक बेखबर है। टाइगर रिजर्व की पहाड़ियों के नीचे कई जलस्रोत, उनसे रिस रहा पानी ग्रामीण बोले- पानी को अक्रू नदी में डायवर्ट करें तो बदल सकती है मंडाना क्षेत्र की तकदीर। क्षेत्र के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि इस पानी को अमझार के बजाय मंडाना की ओर मोड़ दिया जाए तो डार्क जोन घोषित हो चुके इस क्षेत्र की तकदीर बदल सकती है। टनल से निकलने वाला यह पानी एक बारहमासी प्राकृतिक स्रोत है। यदि इस जल प्रवाह को मंडाना क्षेत्र की अक्रू नदी में डायवर्ट कर दिया जाए, तो भूजल स्तर में सुधार के साथ-साथ किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। इसके अतिरिक्त, भंवरिया के समीप एक ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित कर इस पानी को शुद्ध करके पेयजल के रूप में भी सप्लाई किया जा सकता है, जिससे क्षेत्र की प्यास बुझ सकेगी। इन गांवों को हो सकता है लाभ: पूर्व लाडपुरा मंडल अध्यक्ष जगदीश हाड़ा ने बताया कि इस पानी के उपयोग के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर मंडाना, काल्याखेड़ी, मांदलिया, कसार, आलनिया, रामगंजमंडी में सोहनपुरा, भंवरिया, डोबड़ा, मोरुकला, दरा, मोरूकला, मोरुखुर्द व कालियाकुई गांवों को पानी मिल सकता है। टनल से पानी का रिसाव होना आम बात है, इसके लिए हमने ड्रेनेज सिस्टम और टैंक बनाए हुए हैं। इनके जरिए जो पानी निकल रहा है, उसे संप में भेज रहे हैं, वहां से पंप के जरिए ताकनी बांध की ओर छोड़ा जाएगा।

तृतीय जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में चूरू का दबदबा

- स्कूली छात्रों ने जीते गोल्ड-सिल्वर मेडल

सरदारशहर (रॉयल पत्रिका)। तृतीय जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में चूरू जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। सरदारशहर में आयोजित इस प्रतियोगिता में चूरू मार्शल आर्ट अकादमी के संचालक कविंद्र सिंह राठौड़ के कुशल नेतृत्व में चूरू की टीम ने कुल 41 स्वर्ण पदक, 8 रजत पदक एवं 1 कांस्य पदक जीतकर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, चूरू के छात्रों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। विद्यालय के छात्र वरुण जाखटिया, गजेंद्र जाखटिया, छात्रा रिया, युवल और अंशु ने अपने-अपने भार वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन कर स्वर्ण एवं रजत पदक हासिल किए और विद्यालय का गौरव बढ़ाया। अन्य स्कूल टीमो के छात्र असद पठान पुत्र असलम खान रहे प्रथम और रौनक एवं छात्रा रेने ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन कर चूरू टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में पूर्व मनोनीत पार्षद रामेश्वर प्रसाद नायक, बी. एल. बगड़िया एवं मार्शल आर्ट अकादमी के संचालक कविंद्र सिंह राठौड़ उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर रामेश्वर प्रसाद नायक ने कहा कि "चूरू के बेटे-बेटियों ने साबित कर दिया कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। कविंद्र सिंह राठौड़ जैसे कोच के मार्गदर्शन में ये बच्चे राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर भी चूरू का नाम रोशन करेंगे।" कविंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि खिलाड़ियों की इस सफलता के पीछे उनका कठिन परिश्रम, अनुशासन और अभिभावकों का सहयोग है। एवं सभी का आभार व्यक्त किया।

अपहरण-गैंगरेप का दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार, आरोपी पर घोषित था 5000 रुपए का इनाम

संजय रैसवाल

दौसा (रॉयल पत्रिका) । दौसा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे दूसरे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। नांगल राजावतान पुलिस ने आरोपी युवक को जयपुर से गिरफ्तार कर किया है। आरोपी पर 5000 रुपए का इनाम घोषित था। वह पिछले 8 महीने से फरार चल रहा था। पुलिस इस मामले में एक अन्य आरोपी को पहले ही उज्जैन से गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने बताया कि 25 अप्रैल, 2026 पीड़िता की मां द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। महिला ने रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी बेटी के साथ एक शादी समारोह में गई थी। 26 अप्रैल की रात को पीड़िता को परेशान किया गया और मिलने के बहाने घर के पीछे बुलाया गया। वहां पहले से मौजूद काले रंग की थार गाड़ी में आरोपी सवार थे। आरोपियों ने जबरन लड़की का अपहरण किया और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म जैसी वारदात को अंजाम दिया। अगली सुबह करीब 5 बजे आरोपियों ने पीड़िता को बेहोशी की हालत में घर के पीछे छोड़ दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज राहुल प्रकाश और पुलिस अधीक्षक दौसा सागर राणा के निर्देशानुसार विशेष टीमों का गठन किया गया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सीपा और वृत्ताधिकारी दीपक कुमार के नेतृत्व में नांगल राजावतान, पापड़दा, राहुवास और रामगढ़ पचवारा के थानाधिकारियों ने जाल बिछाया। तकनीकी संसाधनों और मुखबिरों की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को तूंगा (जयपुर) इलाके से पकड़ लिया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई काली थार गाड़ी को भी सबूत के तौर पर जब्त कर लिया है।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों का किया स्वागत

डॉ. तोहिद

सुकेत/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम मंडल अध्यक्ष नईमुद्दीन कुरैशी के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जहां ब्लॉक A अध्यक्ष अदनाद अली एवं ब्लॉक B अध्यक्ष इस्लाम भाई का माला पहनाकर और मुंह मीठा करवाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। मंडल पदाधिकारियों ने दोनों नवनियुक्त अध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत करने और अल्पसंख्यक समाज की आवाज को मजबूती से उठाने की बात

कही। कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष संतोष कुमार गुर्जर, माहिर खान, महासचिव योगेंद्र मीणा, सचिव धीरज मीणा, नारायण यादव, मुबारिक शाह, अब्दुल नईम किसान, महासचिव रवि चौहान, पूर्व सरपंच प्रत्याशी इब्राहिम खान, पूर्व वार्ड पंच अब्दुल हकीम, वरिष्ठ कांग्रेस नेता नंदकिशोर नामा, रेहान खान, अमान खान, शाहरुख खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं मंडल पदाधिकारी मौजूद रहे।

केकड़ी में राजस्थान राज्य तलवारबाजी चैंपियनशिप का विधिवत उद्घाटन

मोहम्मद अली पठान

चूरू/केकड़ी (रॉयल पत्रिका)। अजमेर जिले के केकड़ी में अजमेर जिला तलवारबाजी संघ और राजस्थान राज्य तलवारबाजी संघ के संयुक्त तत्वावधान में 'राजस्थान स्टेट फेंसिंग (तलवारबाजी) चैंपियनशिप 2026-27' का शूक्रवार को भारतीय तलवारबाजी संघ के पुर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं राजस्थान राज्य तलवारबाजी संघ के सीईओ दाऊद खान एवं भारतीय तलवारबाजी संघ के कार्यकारिणी सदस्य मसूद खान सूरी ने उद्घाटन किया। इस मौके पर अतिथियों में चूरू से राज. अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन (रकमा) के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं चूरू जिला तलवारबाजी संघ के आयोजन सचिव डॉ. कादिर हुसैन, नागौर से भवरू खान, जोधपुर से अब्दुल रज्जाक खान ने भी उद्घाटन समारोह में शामिल होकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। इस चैंपियनशिप में सबजूनियर, कैडेट, जुनियर बालक एवं बालिका और सीनियर महिला एवं पुरुष कुल तेरह जिलों से 164 खिलाड़ियों ने 185 इवेंट में नोमिनेशन करवाया। तलवारबाजी में फोईल, ईपी एवं सेबर इवेंट के प्रकार है। चैंपियनशिप के दौरान राजस्थान स्टेट फेंसिंग एसोसिएशन के सीईओ दाऊद खान और फेंसिंग एसोसिएशन

ऑफ इंडिया (FAI) के एग्जीक्यूटिव कमेटी मेंबर मसूद खान सूरी ने उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। उनके साथ ईद मोहम्मद (PTI), अनवर मालपुरा, अनिल चौधरी, ओमप्रकाश बैरवा और हनुमान चौधरी ने भी मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। चुरू जिले से सिद्धि राठौड़ ने सब जुनियर बालिका में सिद्ध मेडल प्राप्त कर नेशनल चैंपियनशिप में जाने का रास्ता तय कर लिया। सभी अतिथियों ने प्रथम दिन विजेताओं को मेडल प्रदान कर उनकी सफलता की सराहना की। डॉ. कादिर हुसैन ने केकड़ी में सफल आयोजन की बधाई देते हुए कहा कि सिद्धी राठौड़ जैसे ग्रामीण प्रतिभावान खिलाड़ियों के दम पर राजस्थान भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर अधिक पदक जीतेगा। दाऊद खान ने खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। मसूद खान सूरी ने कहा कि स्थानीय खेल प्रेमियों ने इस आयोजन को क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम बताया।

इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा सातवां स्थापना दिवस मनाया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर देर शाम को नए बस स्टैंड इंदौरी चाय वाला में इंसानियत एकता सेवा समिति का सातवां स्थापना दिवस अत्यंत उत्साह एंव गरिमा के साथ मनाया गया। समिति के छ: वर्ष पूरे होने पर समिति के सदस्यों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुबारकबाद दी। इस अवसर पर समिति द्वारा राजकीय डीबी अस्पताल परिसर में दो सीमेंटेड बैंच रखने और ठंडे पानी की व्यवस्था करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इब्राहीम सोलंकी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी मोहम्मद रफीक राजगढ़िया ने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए प्रेरणादायक संदेश दिया। इस मौके पर संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने स्थापना दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समिति द्वारा पिछले छ: वर्षों में सामाजिक

सरोकार में सफलतापूर्वक विभिन्न नेक कार्य किए गए। समिति उपाध्यक्ष अध्यापक वसीम अली ने समिति के सदस्यों से संगठित रहकर समिति को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सामाजिक कार्यकर्त्ता मोहम्मद आसिफ लुहार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें गहरी रूचि और निष्ठा के साथ नेक कार्य करते हुए समाज और मानवता की सेवा करनी चाहिए। संयोजक नौशाद खान और सुलेमान मनीहार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान अयूब खान, असलम खान, बिलाल खान, गुलाम हुसैन गौरी, शाहरुख मनीहार, जावेद खान, अबरार खान, जाहिद खान, शोयब खान, रेहान खान, शमशाद खान, सोयल खान, अरमान खान, समीर खान, माज अहमद खान, आदिल चौहान आदि मौजूद रहे। संचालन मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने किया। व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान ने सभी का आभार जताया।

देहदान: दिलीप सिंह का पार्थिव शरीर मेडिकल कॉलेज को सौंपा

चूरू/सिद्धमुख (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पोस्ट निरवासी, सिद्धमुख निवासी दिलीप सिंह का शुक्रवार 08 मई 2026 को प्रातः लगभग 7:00 बजे निधन हो गया। दिवंगत ने अपने जीवनकाल में देहदान का संकल्प लिया था। उनके निधन के पश्चात परिवारजनों एवं रिश्तेदारों द्वारा उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए उनका पार्थिव शरीर मेडिकल कॉलेज, चूरू को सौंपा गया। मेडिकल कॉलेज प्रशासन को पूर्व सूचना देने के बाद परिजन पार्थिव शरीर लेकर कॉलेज पहुंचे। मेडिकल कॉलेज में पार्थिव शरीर का पूर्ण अनुशासन एवं सम्मान के साथ स्वागत किया गया। विद्यार्थियों द्वारा पुष्प वर्षा कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर संस्थान प्रमुख एवं प्राचार्य डॉ. महेश मोहनलाल

पुकार द्वारा परिजनों से अनुमति प्राप्त कर पार्थिव शरीर को संस्थान में विधिवत प्रवेश दिलवाया गया। इसके पश्चात डॉ. रमाकांत वर्मा (अतिरिक्त प्राचार्य), डॉ. दीपक चौधरी (मेडिकल सुपरिंटेंडेंट), डॉ. प्रदीप शर्मा (प्रोफेसर, ऑर्थोपेडिक), डॉ. राजेन्द्र रायल (सहायक प्रोफेसर, ऑर्थोपेडिक) एवं डॉ. जे.पी. यादव (एनाटॉमी विभाग) सहित अन्य चिकित्सकों द्वारा माला पहनाकर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर दिवंगत के पुत्र जितेन्द्र कुमार, पत्नी मूर्ति देवी, पुत्रवधू उर्जा, पोते-पोती दक्ष एवं सक्षम सहित सरपंच बल सिंह, संजय, सत्यवीर, विजेन्द्र, दिनेश पुनिया, रोहतास डाका, संजय डाका, रामभगत डाका, विकास बेनीवाल, लोकेश सिंह, शेर सिंह, राकेश पुनिया, रामचन्द्र सुंडा, सुशीला सुंडा, पार्षद एवं पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अबरार खान, चानन मलडा, कविता डाका, सुनीता कसवा, उमेद पुनिया, सोमवीर पुनिया सहित गांव के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस देहदान को एक प्रेरणादायक कदम बताते हुए कहा कि इससे समाज में जागरूकता बढ़ेगी और चिकित्सा शिक्षा को भी लाभ मिलेगा।

इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह 26 मई 2026 को

चूरु (रॉयल पत्रका) । इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी अध्यक्ष शौकत खान झारिया (रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर) के निर्देशानुसार कार्यकारिणी की एक तात्कालिक मीटिंग रखी गई, जिसकी अध्यक्षता हाजी याकूब थीम ने की। आगामी 26 मई, 2026 को आयोजित किए जाने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह के बारे में निम्न निर्णय लिए गए हैं। 85 % और 85 % से ऊपर मार्क्स लाने वाले बच्चों के साथ- साथ, निम्न सरदारों का भी अभिनंदन किया जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है। जो पिछले, एक साल में, नई नौकरी लगे हैं, जो promotion से, Lecturer, Vice प्रिन्सिपल, और प्रिन्सिपल में चयन हुए हैं, पुलिस विभाग में, बाद DPC, एवं ASI बने हैं। स्पोर्ट्स field में, जिन्होंने नेशनल खेला है। और proper साक्ष्य पेश करते हैं । वह नजीर मोहम्मद खान रिटायर्ड प्रिन्सिपल एवं अयूब खान (रिटायर्ड एडिशनल एसपी) द्वारा की गई, स्क्रूटनी में, पात्र पाए जाने पर, उनको भी सम्मानित किया जाएगा और सोशल मीडिया पर, इस तरह के काफ़ी सुझाव प्राप्त हुए थे। उनमें से ज्यादातर को, हमने विचार कर लिया है। Lecturer की पूरी सूचना collect करने का जिम्मा डॉ. गफ्फार खान दौलतखानी को दिया गया है। पुलिस विभाग से संबंधित सूचना की जिम्मेदारी अयूब खान (रिटायर्ड एडिशनल एसपी) एवं प्रिन्सिपल/वॉइस प्रिन्सिपल का जिम्मा, अध्यक्ष शौकत अली खान झारिया का रहेगा। न्यू अपॉइंटमेंट वाले उम्मीदवार का जिम्मा आरिफ खान प्रिन्सिपल को सौंपा गया है। बच्चों की सारी सूचनाओं का संकलन भी, आरिफ खान प्रिन्सिपल ही कर रहे हैं। प्रतिभागी और किसी भी तरह की प्रतियोगिता से संबंधित सूचना के लिए संपर्क नम्बर पर किया जा सकता है। शौकत अली खान (रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर) 94138 87786, अयूब खान (रिटायर्ड एडिशनल एसपी) 94143 32200, आरिफ खान प्रिन्सिपल 94143 03302, नजीर मोहम्मद खान (रिटायर्ड प्रिन्सिपल) 94143 33698, डॉ. गफ्फार खान दौलत खान 97841 09395 इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी के सेक्रेटरी डॉ. एफ एच गौरी सीनियर फिजिशियन ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 मदरसा दारुल उलूम जयपुर रोड पर सुबह 10:00 बजे 26 मई 2026 को आयोजित होगा। बैठक में शिक्षाविद् मोहम्मद रशिद खान मोयल, मुफ्ती इरशाद अहमद कासमी, आवेश कुरैशी ने विचार व्यक्त किये। बैठक का संचालन आरिफ खान प्रिंसिपल ने किया। हाजी याकूब थीम ने आभार व्यक्त किया।

जालोरी गेट ईदगाह से आमजन को दिया 'नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान' का संदेश

-आओ मिलकर नशे के खात्मे के इस अभियान को कामयाब बनायें

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी और नवीन जोधाणा जागरूक मंच संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे 'नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान' के अन्तर्गत शुक्रवार को जालोरी गेट ईदगाह परिसर में जुम्मे की नमाज के बाद आमजन को नशा मुक्ति के पेम्पलेट वितरित कर नशे से दूर रहने की पुरजोर अपील की गई। यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने बताया कि नशा वर्तमान में एक ज्वलंत समस्या बनता जा रहा है इससे न सिर्फ युवा गुमराह हो रहे है अपितु इसकी वजह से परिवार में बिखराव हो रहा है। हम सब को मिलकर इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी और प्रशासन के सहयोग से नशा फैलाने वालों पर कठोर कार्यवाही करनी होगी। नवीन जोधाणा जागरूक मंच संस्थान के संस्थापक साजिद खान ने बताया कि हमें हमारें बच्चों पर ध्यान रखना होगा कि वो कहां जा रहे है, किसके सम्पर्क में है, रात को कब आ रहे है और मोबाइल में क्या देख रहे है। आज युवाओं में बढ़ती नशे की लत बेहद घातक है इसे खत्म करने के लिए परिवार के साथ सभी धर्मगुरुओं, बुद्धिजीवियों, सरकार और पुलिस को आगे आना होगा। नशे के कारण आर्थिक, मानसिक, शारीरिक, पारिवारिक नुकसान हो रहे हैं। गत 01 मई से 30 जून तक चलने वाले

इस अभियान में सार्वजनिक स्थानों पर बैनर लगाने के साथ ही आगामी 31 मई को विश्व तम्बाकू दिवस पर 'पोस्टर प्रतियोगिता', 26 जून को अन्तर्राष्ट्रीय नशा निशेध दिवस पर 'जन-जागरूकता रैली' एवं नशा विरोधी अभियान से जुड़ी कई नुक्कड़ सभाओं का आयोजन होगा। जोधाणा जागरूक मंच संस्थान के संस्थापक सदस्य मोहम्मद सलीम उर्फ मुन्ना ने बताया कि पेम्फलेट वितरण के इस अभियान में यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स डीन डॉ. सय्यद मोइनुल हक, यूनाईटेड उम्माह वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष अब्दुल रहीम सांखला, केयर फाउंडेशन संरक्षक सय्यद नासिर अली चूड़ीगर, समाजसेवी जावेद हुसैन, सत्तार अब्बासी, सय्यद वसीम अख्तर, रसूल बख्श, मुख्तार अब्बासी, मोहम्मद वसीम, वार्ड प्रभारी साकिर अब्बासी सहित शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लोक अदालत में पति-पत्नी के बीच 4 साल पुराना विवाद खत्म, खुशी-खुशी साथ लौटे पति-पत्नी

-लोक अदालत ने एक और परिवार को बचा लिया

जालोर (रॉयल पत्रिका)। राज्य विधिक सेवा प्रधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश बन्नालाल जाट के निर्देशन में जिले भर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बैंच में पारिवारिक न्यायालय के एक चार साल पुराने प्रकरण में अलग रह रहे पति-पत्नी के बीच राजीनामा करवाकर उन्हें साथ-साथ घर भेजा गया। उम्मेदाबाद निवासी रिंकू ने अपने पति सांचौर निवासी भरत कुमार के खिलाफ दांपत्य जीवन की पुनस्थारपना का प्रकरण दर्ज कराया था। यह मामला पारिवारिक न्यायालय लंबित था। लोक अदालत में बेंच

अध्यक्ष जिला न्यायाधीश बन्ना लाल जाट सदस्य पैनल अधिवक्ता भंवरलाल सोलंकी ने दोनों पक्षों से समझाइस की दोनों ने एक दूसरे को माला पहनाई। साथ रहने की शपथ ली। बेंच का आभार जताया। जिला न्यायाधीश बन्ना लाल जाट ने कहा लोकअदालत में जीत हार नहीं होती रिश्तो की जीत होती है। लोक अदालत को लेकर जिले भर के न्यायालयों में सुबह से ही पक्षकारों की भीड जुटी रही। जिला मुख्यालय पर एडीआर भवन में जिला न्यायाधीश बन्नालाल जाट व अन्य न्यायिक अधिकारियों ने सरस्वती मां की तस्वीर के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

मामाजी का थान विद्यालय में पक्षियों के संरक्षण हेतु लगाए गए परिंडे

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच पक्षियों के संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता का सराहनीय संदेश देते हुए राजकीय प्राथमिक विद्यालय मामाजी का थान में बड़ा रामद्वारा सूरसागर के रामस्नेही संत श्री राम प्रसाद जी महाराज के आशीर्वाद से ग्रीष्मकालीन अवकाश से पूर्व विद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक शौकत अली लोहिया, भीमाराम पटेल, अध्यापक गोपाल सिंह राजपुरोहित, भगाराम पटेल, जगदीश पटेल, तेजाराम पटेल, जुगताराम पटेल सहित विद्यालय प्रबंधन समिति (एस.एम.सी.) के सदस्य, अभिभावक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। विद्यालय प्रधानाध्यापक शौकत अली लोहिया ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जल संकट एवं बदलती भौगोलिक परिस्थितियों के कारण तापमान निरंतर बढ़ रहा है। पेड़-पौधों की कमी एवं जल स्रोतों के सूखने से पक्षियों का जीवन संकट में पड़ता जा रहा है। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति का यह

नैतिक दायित्व बनता है कि वह अपने घर, विद्यालय एवं आसपास के स्थानों पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करे। अध्यापक गोपाल सिंह राजपुरोहित ने ग्रामवासियों से अपील करते हुए कहा कि "यदि हर घर और हर आंगन में एक परीन्डा लगाया जाए तो हजारों पक्षियों को जीवनदान मिल सकता है।" विद्यालय परिवार द्वारा लगाए गए परिंडे केवल पानी के पात्र नहीं, बल्कि जीव-जंतुओं के प्रति मानव संवेदनाओं और प्रकृति संरक्षण का सशक्त संदेश हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने पक्षियों की सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। अंत में शौकत अली लोहिया ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। "पक्षियों को पानी देना केवल सेवा नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।"

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के खिलाड़ी मयंक सेन ने इंटर यूनिवर्सिटी नेशनल वुशु चौंपियनशिप में जीते गोल्ड और सिल्वर मेडल

-लगातार तीन वर्षों से गोल्ड जीतकर बनाई "गोल्डन हैट्रिक"

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी मयंक सेन ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वुशु चौंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर विश्वविद्यालय और जोधपुर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। मयंक ने प्रतियोगिता में दमदार खेल दिखाते हुए एक स्वर्ण एवं एक रजत पदक अपने नाम किया। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के डीन - स्पोर्ट्स एंड पब्लिक रिलेशन्स डॉ. सैयद मोईनुल हक़ ने बताया कि कश्मीर यूनिवर्सिटी में आयोजित इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मयंक सेन ने अदर स्टाइल (हुकान) मंकी इवेंट एवं फ्लेक्सिबल वेपन स्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतकर नेशनल चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। सबसे खास बात यह रही कि मयंक सेन ने लगातार तीन वर्षों से इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार

"गोल्डन हैट्रिक" बनाई है, जो उनकी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रतीक है। उन्होने कहा कि खिलाड़ियों की यह सफलता उनके कठोर अभ्यास, समर्पण एवं प्रशिक्षकों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन का परिणाम है। यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक, वाइस चांसलर डॉ. जमील काज़मी, डीन एकेडमिक डॉ. ईमरान खान पठान तथा डॉ. साबरा कुरैशी ने मयंक सेन की इस शानदार उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। लगातार मिल रही इन उपलब्धियों ने यह साबित कर दिया है कि मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी खेलों के क्षेत्र में तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रही है और आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तर पर नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए तैयार है।

सात वर्षीय सुजैन पठान सीख रही 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग

-जयपुर शूटिंग प्रतियोगिता में हो चुकी है सम्मानित

कोटा/बड़ोरा (रॉयल पत्रिका) । जहां एक ओर नन्हे बच्चे मोबाईल के काले जाल में फंस कर अपनी आँखें ओर मानसिक स्थिति को नुकसान पहुंचा रहे हैं वहीं दूसरी ओर कुछ बच्चे अपने माता पिता ओर परिवार के लोगों की प्रेरणा से खेल की ओर आकर्षित होकर परिवार ओर समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। ऐसा ही एक कारनामा कोटा निवासी एडवोकेट सोहेल खान की 7 वर्षीय नन्ही बिटिया सुजैन पठान ने करके

दिखाया है, सुजैन राजस्थान की सबसे छोटी बच्चियों में शुमार है जो 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग सीख कर प्रतियोगिता की तैयारी कर रही है। कोटा के एक निजी शूटिंग रेंज संस्थान में सुजैन पठान ट्रेनिंग ले रही है। बच्ची का हौसला जयपुर के एक कार्यक्रम में भी देखने को मिला जहां जयपुर शूटिंग रेंज में भी अपनी प्रतिभा दिखाई ओर आयोजन समिति ने उन्हें सम्मानित किया। नन्ही बच्ची के हौसले ओर जुनून से अन्य बच्चों को प्रेरणा लेना चाहिए ताकि खेलो की ओर आकर्षित हो ओर मोबाइल के मायाजाल से बाहर आने में मदद मिल सके।

बाली में आयोजित हुआ "मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह 2026", 60 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

मोहम्मद यासीन

बाली (रॉयल पत्रिका)। नौजवान धार्मिक एवं कल्याण संस्था एवं वक्फ कमेटी बाली के संयुक्त तत्वाधान में "मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह 2026" का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन सम्पन्न हुआ, जिसमें शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, तकनीकी, चिकित्सा एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कुल 60 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वक्फ कमेटी बाली के सदर अज़मत अली शरैनी द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के स्वागत संबोधन से हुई। इसके पश्चात हाफिज़ शिराज अहमद द्वारा तिलावत-ए-कुरआन प्रस्तुत की गई तथा हाजी सुलेमान टाक एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंच संचालन अमीन गौरी ने प्रभावशाली अंदाज़ में किया। समारोह में हाजी सुलेमान टाक, हाफिज़ शिराज अहमद, हाजी मोहम्मद सलीम कुरैशी, मोहम्मद अयूब जई, अयूब खान (Rt. ASP), सयैद अयूब अली (Rt. Teacher), सयैद अयूब अली एडवोकेट, अब्दुल नासिर लाडूभाई, मुरतुजा हसन (खिदमत-ए-खल्क संस्था, पाली), मेहराज अली (मुस्लिम युवा फाउंडेशन, पाली), डॉ. ताहिरा खान, रेहाना शेख सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने प्रेरणादायक एवं मार्गदर्शी उद्बोधन में हाजी सुलेमान टाक साहब ने शिक्षा को समाज की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि आज के युवाओं को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार, अनुशासन, चरित्र निर्माण

और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, धैर्य और निरंतर सीखने की आदत अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो किसी भी समाज को नई दिशा और पहचान दे सकती है। उनके प्रभावशाली विचारों ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को गहराई से प्रेरित किया। वहीं मोहम्मद अयूब जई साहब ने भी विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। समारोह में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, सरकारी नौकरी में चयनित युवाओं, MBBS, BAMS, MCA, M.Pharma तथा राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को ट्रॉफी, मेडल, सर्टिफिकेट, पेन सेट एवं इस्लामिक पुस्तकों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान तहसीन रज़ा एवं मुबाशिरा ने भी अपने प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए तथा विद्यार्थियों को बताया कि अनुशासित अध्ययन, नियमित अभ्यास, समय प्रबंधन और निरंतर मेहनत के माध्यम से किस प्रकार उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उनके अनुभवों ने उपस्थित विद्यार्थियों को काफी प्रेरित किया। कार्यक्रम में करियर कोच जुनैद टाक ने विद्यार्थियों को आधुनिक करियर अवसरों, कौशल विकास एवं लक्ष्य निर्धारण को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं पाली से आई खिदमत-ए-खल्क ग्रुप की टीम ने भी कार्यक्रम में विशेष सहभागिता निभाई। संस्था के मुरतुजा हसन ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में विद्यार्थियों, युवाओं एवं अभिभावकों को शिक्षा, समाज सेवा और सकारात्मक सोच के माध्यम से समाज में बदलाव लाने का संदेश दिया, जिसने उपस्थित सभी लोगों को गहराई से प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मोहम्मद शिराज कुरैशी, सचिव असलम टाक, परवेज़ टाक, जुनैद टाक, इमरान टाक, जमाल खान सिंधी, मोहम्मद रफीक शेख, अतीका कुरैशी, शाज़िया शरैनी, आयत देवड़ा, आरिफ सिलावट, मोहसिन खान पठान, इमरान पठान सहित आयोजन समिति एवं समस्त कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। अंत में सभी अतिथियों, प्रतिभाओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।

संपर्क करें - 8058969180/9799559096

देवबंद का नाम बदलने से नहीं बदलेगी लोगों की किस्मत- मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने देवबंद का नाम बदलकर देववृंद किए जाने की मांग पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि किसी शहर या कस्बे का नाम बदल देने से वहां रहने वाले लोगों की जिंदगी नहीं बदलती। असली बदलाव तब आता है जब शहर में विकास हो, युवाओं को रोज़गार मिले और गरीबों की आर्थिक स्थिति मज़बूत हो। मौलाना ने कहा कि देवबंद का नाम देववृंद करने से न तो बेरोज़गारी खत्म होगी और न ही गरीबों की परेशानियां कम होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार को नाम बदलने की राजनीति छोड़कर रोज़गार सृजन, उद्योग लगाने और किसानों की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक, अगर छोटे-बड़े उद्योग स्थापित होंगे तो युवाओं को नौकरी मिलेगी और लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

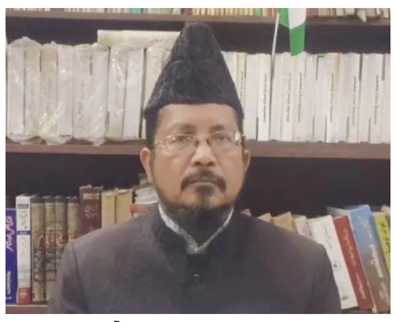

किसानों और गरीबों की बदहाली का किया जिक्र

मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी ने शाहजहांपुर और बरेली के मीरगंज की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि आज भी लोग भूख, गरीबी और बेरोज़गारी से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि मीरगंज में एक किसान ने भूख और गुरबत से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी, जो बेहद शर्मनाक और चिंताजनक घटना है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं उन लोगों के लिए सबक हैं जो सिर्फ शहरों के नाम बदलने के अभियान में लगे हुए हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था मज़बूत करने की मांग

मौलाना ने कहा कि देश में असली ज़रूरत शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की है। उन्होंने कहा कि गांवों और शहरों में अच्छे अस्पताल, स्कूल और रोज़गार के साधन उपलब्ध कराए जाएं ताकि आम आदमी की जिंदगी बेहतर हो सके। किसानों को उनकी फसल का उचित दाम मिले और गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा मिले, तभी देश आगे बढ़ेगा।

नाम बदलने की राजनीति पर उठाए सवाल

मौलाना बरेलवी ने कहा कि सिर्फ नाम बदलने से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या नाम बदलने वाले लोगों ने कभी किसी भूखे को खाना खिलाया या प्यासे को पानी पिलाया है। उन्होंने कहा कि देश की वास्तविक समस्याओं का समाधान करना ज्यादा ज़रूरी है। उनके अनुसार, काम करने से बदलाव आता है, केवल नाम बदलने से नहीं।

हरिद्वार में 23 मदरसों की सहायता राशि रोकी

हरिद्वार । उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में मदरसों में अनियमितताओं के मामले सामने आने के बाद प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है । 23 मदरसों की सरकारी सहायता राशि तत्काल प्रभाव से रोक दी गई है । वहीं निगरानी और जांच के दायरे में आने के बाद 10 मदरसा संचालकों ने अपने संस्थानों को बंद करने का नोटिस भी दे दिया है, जिससे पूरे मामले ने गंभीर रूप ले लिया है । प्रशासन की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, प्राथमिक जांच में कई मदरसों में वित्तीय और प्रशासनिक स्तर पर गड़बड़ियां सामने आई हैं । खासतौर पर लक्सर क्षेत्र के सुल्तान इलाके में संचालित छह मदरसों के खिलाफ शिकायत मिलने पर जांच की गई, जिसमें अनियमितताएं पाई गईं । यह शिकायत स्थानीय विधायक की ओर से की गई थी । जांच के बाद इन मदरसों समेत कुल 23 संस्थानों की सरकारी सहायता राशि रोक दी गई । दरअसल, सरकार की ओर से मदरसों को भी मिड-डे मील सहित विभिन्न योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता दी जाती है । लेकिन हाल के दिनों में इन योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आने के बाद मुख्यमंत्री स्तर से जांच के निर्देश दिए गए थे । इसी क्रम में जिलाधिकारी के निर्देश पर 19 अप्रैल को मदरसों की मॉनिटरिंग के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया था । मदरसों के संचालकों को निर्देश दिए गए थे कि वे रोजाना बच्चों की उपस्थिति और मिड-डे मील से संबंधित फोटो इस ग्रुप में साझा करेंगे । हालांकि, दस दिन तक चली इस निगरानी प्रक्रिया में कई मदरसों ने नियमों का पालन नहीं किया । चार मदरसों की ओर से कोई रिपोर्ट ही प्रस्तुत नहीं की गई, जबकि तीन अन्य मदरसों ने वित्तीय वर्ष के दौरान योजनाओं से संबंधित डाटा उपलब्ध नहीं कराया ।

सिलाई और कोचिंग के बीच उर्दू विभाग की छात्रा बनी गोल्ड मेडलिस्ट, मेहनत से राजस्थान यूनिवर्सिटी में रचा इतिहास

-दीक्षांत समारोह में बेटियों का दबदबा

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान यूनिवर्सिटी के 35वें दीक्षांत समारोह में शिक्षा और उपलब्धियों का भव्य संगम देखने को मिला। समारोह में 2.71 लाख विद्यार्थियों को 24 सिक्योरिटी फीचर्स से लैस डिग्रियां प्रदान की गईं। वहीं 250 मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिए गए, जिनमें 197 छात्राएं और 53 छात्र शामिल रहे। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति C.P. राधाकृष्णन मौजूद रहे, जबकि विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल राज्यपाल के हाथों प्रदान किए गए।

उर्दू विभाग की टॉपर बनी केहकशा बानो

जयपुर की रहने वाली केहकशा बानो ने राजस्थान यूनिवर्सिटी के उर्दू एवं पर्शियन विभाग से एमए (उर्दू) में गोल्ड मेडल हासिल कर अपने परिवार और विभाग का नाम रोशन किया। वह अपने विभाग की टॉपर रहीं और 62 से अधिक विद्यार्थियों में अकेली छात्रा बनीं, जिन्हें गोल्ड मेडल मिला। इससे पहले उन्होंने महारानी कॉलेज से रेगुलर छात्रा के रूप में बीए किया था। 12वीं कक्षा में 86.60 प्रतिशत अंक हासिल करने पर उन्हें सरकार की ओर से स्कूटी भी मिली थी।

सिलाई, कोचिंग और पढ़ाई का संघर्ष

केहकशा बानो का सफर संघर्षों से भरा रहा। दिन में वह सिलाई का काम करती थीं और शाम को बच्चों को कोचिंग पढ़ाती थीं। पढ़ाई के लिए कम समय मिलने के कारण वह रोज सुबह 5 बजे उठकर पढ़ाई करती थीं और रात में भी समय निकालकर तैयारी करती थीं। मेहनत और अनुशासन के दम पर उन्होंने यह सफलता हासिल की। केहकशा ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली है और अब उनका सपना असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का है।

उर्दू को बताया मोहब्बत की भाषा

केहकशा बानो ने कहा कि उर्दू केवल किसी एक समुदाय की भाषा नहीं, बल्कि हिंदुस्तान की मोहब्बत और तहजीब की भाषा है। उन्होंने बताया कि उर्दू का जन्म भारत की धरती पर हुआ और यह हिंदू-मुस्लिम एकता की पहचान रही है।

परिवार का मिला पूरा साथ

केहकशा की सफलता पर पिता अब्दुल रऊफ और माता खुर्शीदा बेहद खुश हैं। उनके पिता ने बताया कि गोल्ड मेडल की खबर मिलते ही उन्होंने सबसे पहले अल्लाह का शुक्र अदा किया। परिवार ने हमेशा पढ़ाई के लिए प्रेरित किया और इसी समर्थन का परिणाम आज गोल्ड मेडल के रूप में सामने आया।

कहकशां का लोकार्पण

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। शायरा डॉ. संजीदा खानम शाहीन द्वारा सम्पादित साझा काव्य संकलन 'कहकशां' का लोकार्पण सावित्री मदन डागा साहित्य भवन में हुआ। इस अवसर पर काव्य गोष्ठी का भी आयोजन हुआ जिसमें वरिष्ठ कवयित्री बसंती पंवार पूजा अग्रवाल, दीपा टाक, दीपा परिहार, कुंतल हर्ष, डॉ. हस्तीमल आर्य, हंसराज बारासा, दिलीप पुरोहित, दशरथ कुमार सोलंकी, कल्याण विश्नोई, शायर अरमान जोधपुरी, बाड़मेर के हास्य कवि प्रताप पागल, वरिष्ठ शायर रजा मोहम्मद खान, प्रशांत सोऊ कल्याण के विश्नोई, अरमान तथा अशफाक फौजदार, ने काव्य पाठ किया। काव्य गोष्ठी का शुभारंभउदीयमान कवयित्री राखी पुरोहित ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शब्दचित्र लेखिका डॉ. पद्मजा शर्मा ने की, जबकि मुख्य अतिथि कहानीकार डॉ. प्रगति गुप्ता और विशिष्ट अतिथि शायरा रेणु वर्मा थी। कार्यक्रम का संचालन शायर मनशाह नायक किया। अंत में कवयित्री अमिता भंडारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में महेश पंवार, अब्दुल कय्यूम, अशफाक रंगरेज, गायक शब्बीर हुसैन, सलीम खान, इंसाफ अली, तरुण जोशी, सुरेश कुमार, कौशल्या सुनील ओझा, सलीम खान साजिद जी, अग्रवाल, सुनील सोलंकी साजिदा खानम, अदा नोशी मोहम्मद सदाब मोहम्मद जैद अबू सूफियान तथा मोहम्मद आतिफ खान आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

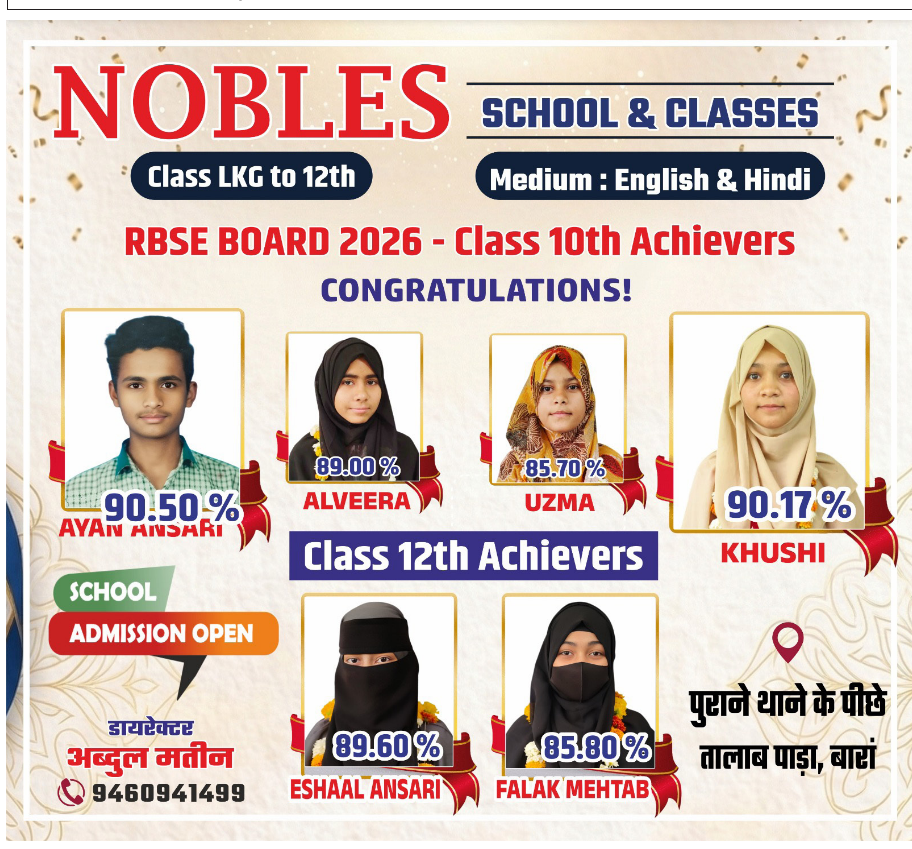

नौशीन नाज़ बनी हॉकी की नई उम्मीद

भोपाल । भारतीय महिला हॉकी में जहां नई उम्मीदों की चमक लगातार बढ़ रही है, वहीं मध्य प्रदेश के सिवनी जिले की 15 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी नौशीन नाज़ एक बड़ा नाम बनकर उभर रही हैं। बेहद साधारण परिस्थितियों से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने वाली नौशीन की कहानी संघर्ष, हिम्मत और सपनों को सच करने की मिसाल बन गई है । हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली चार मैचों की सीरीज के लिए भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला टीमों का चयन किया है। इस 24 सदस्यीय टीम में नौशीन नाज़ का नाम शामिल किया गया है । यह उपलब्धि उनके लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है । इसके साथ ही नौशीन का चयन अंडर-18 एशिया कप के लिए पक्का माना जा रहा है । अंडर-18 एशिया कप इस साल जापान में खेला जाएगा और इसमें भारतीय टीम की खिताब जीतने की दावेदार टीमों में से एक है । यह चार मैचों की सीरीज जापान के शहर काकामिगाहारा में 29 मई से 6 जून 2026 तक आयोजित होगी, जो अंडर-18 एशिया कप 2026 की तैयारियों का अहम हिस्सा है। नेशनल कोचिंग कैंप में 42 खिलाड़ियों की कड़ी फिटनेस और प्रदर्शन की जांच के बाद फाइनल 24 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जिसमें नौशीन ने भी जगह बनाई ।

नौशीन नाज़ ने हाल ही में 6वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई गोल किए और टूर्नामेंट की सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी बनीं । इस प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाई । वर्तमान में वह भोपाल स्थित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया सेंटर में चल रहे अंडर-18 नेशनल कोचिंग कैंप में ट्रेनिंग हासिल कर रही हैं । उनकी कहानी सिर्फ खेल की नहीं, बल्कि संघर्ष की भी कहानी है । परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर रही कि उन्हें कुछ समय के लिए हॉकी छोड़कर अपने पिता के साथ सब्जी बेचने में मदद करनी पड़ी। इसके बावजूद उनका सपना कभी कमजोर नहीं हुआ । नौशीन अपनी वापसी का श्रेय अपनी मां को देती हैं । नौशीन के मुताबिक, उनकी मां ने समाज की बातों की परवाह किए बिना उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया । मां के समर्थन से वह ग्वालियर महिला हॉकी अकादमी तक पहुंचीं और आज नेशनल लेवल पर अपनी पहचान बना रही हैं । वर्तमान में वह पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग ले रही हैं । नौशीन का कहना है कि रानी रामपाल से उन्हें खेल की बारीकियां सीखने का मौका मिल रहा है, जो उनके करियर को नई दिशा दे रहा है। उनका सपना है कि वह भविष्य में भारत की सीनियर टीम का हिस्सा बनकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करें। नौशीन का मानना है कि लगातार मेहनत और समर्पण के साथ वह अपने सपनों को जरूर पूरा करेंगी और भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी।

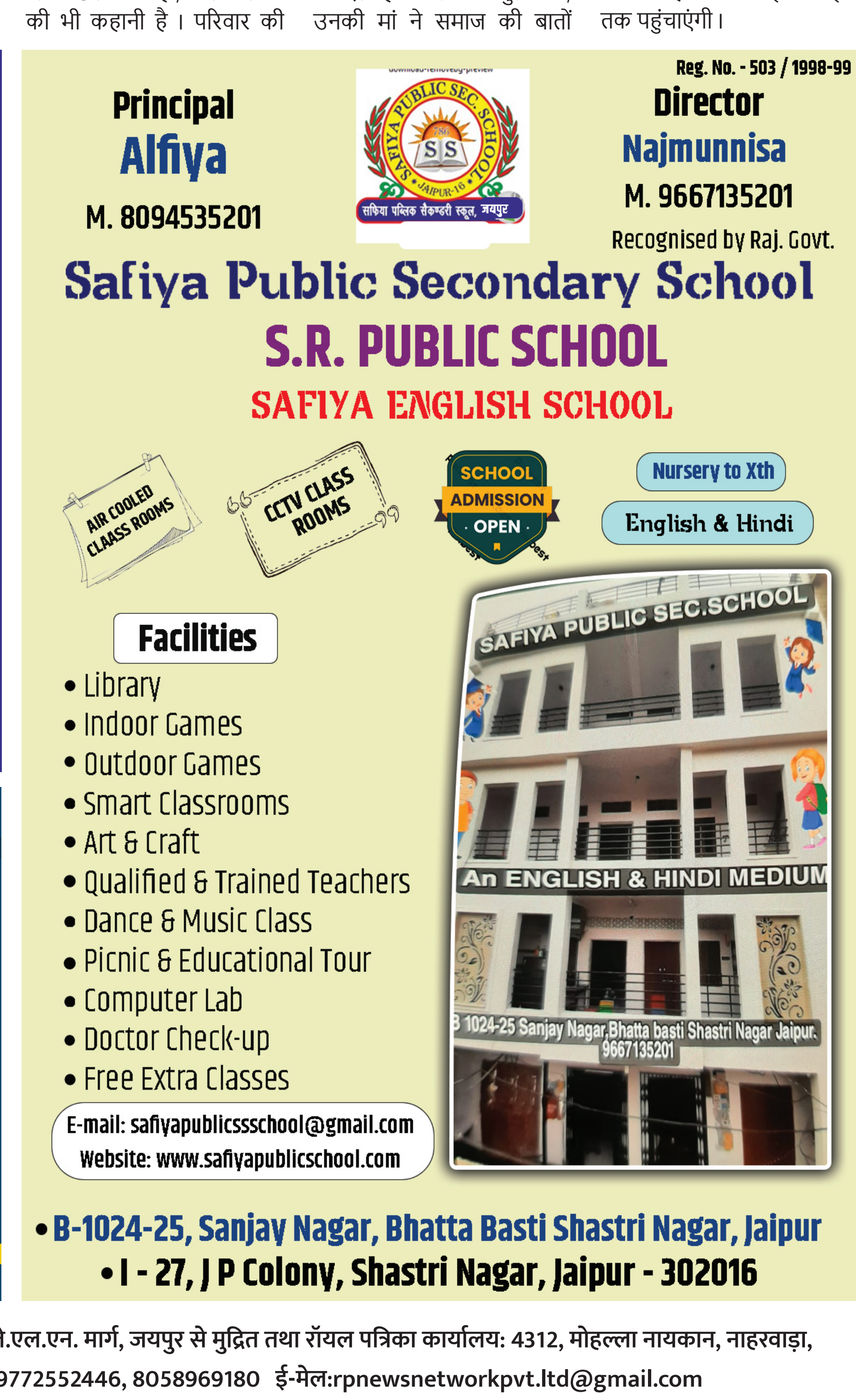

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com